फाल्गुन शुक्ल पक्ष- 7, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 231 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 फरवरी 2026 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
31.4 अधिकतम
15.2 न्यूनतम

Page- 7

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पिछड़ने का इतिहास और सुनहरे भविष्य की उम्मीद

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

एआई में भारत-कल, आज और कल: पार्ट 1

भारत में हाल ही में हुई वर्ल्ड एआई समिट के दौरान जिस तरह का राजनीतिक बखेड़ा हुआ, उसमें यह सवाल पीछे छूट गया कि भारत की पूर्ववर्ती सरकारों ने एआई को सरकारी तौर पर बढ़ावा देने में दशकों की देरी क्यों की? हम क्यों इसी बात से संतुष्ट रहे कि कम्प्युटर क्रांति और इंटरनेट की शुरूआत ही भारत के लिए पर्याप्त है? अमेरिका और चीन मीलों आगे निकल गए और हमारे देश की सरकारें सोती रहीं। सरकार इस आंखें मूंदकर बैठी रही और भारतीय टेलेंट अमेरिका को एआई में समृद्ध करता रहा। इस बात पर भी सोचने की जरूरत है कि सत्य नाडेला और सुंदर पिचाई जैसे एक्सपर्ट को अमेरिका की तरफ क्यों रूख करना पड़ा? ब्रेन ड्रेन क्यों होने दिया गया। इसमें कोई शक नहीं कि इस क्षेत्र में भारतीय टेलेंट ने दुनिया भर में धूम मचाई और हम हाथ पर हाथ धरकर इस मामले में अमेरिका और चीन का मुंह ताकते रहे? भारत देर से ही जागा लेकिन बीते आठ दस सालों में ही तेजी से तरक्की करते हुए अमेरिका और चीन के बाद तीसरा मुकाम हासिल कर लिया। हालांकि पहले दोनों देशों अमेरिका और चीन की बराबरी में काफी वक्त लगेगा। लेकिन, सरकार ने 2015 के बाद जिस तरह से एआई को स्वदेशी बनाने की दिशा में पहल की है, यदि यही रफ्तार जारी रही तो 2030 तक ठीकठाक मुकाम हासिल हो जाएगा। गौरतलब है कि अमेरिका ने एआई की ताकत को 1950 में ही भांप लिया था। 1960 में अमेरिका की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी ऐसा पहला संस्थान था जिसने एआई के कोर्स को कम्प्युटर साइंस के साथ दुनिया में सबसे पहले शुरू किया। इसके पहले वहां इस पर कोई कोर्स नहीं था और यह रिसर्च तक सीमित था। उसने ही 1962 में एआई लैब स्थापित की। यानि स्टेनफोर्ड को ही एआई का जन्मदाता माना जाता है। एआई में पहले डिग्री कोर्स की बात की जाए तो इंग्लैंट की यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग को औपचारिक डिग्री के लिए जाना जाता है। 1983 में उसने एमएससी एआई का पाठ्यक्रम शुरू किया था। चीन ने वर्ष 2000-2005 के बीच इस पर जोर देना शुरू किया। अमेरिका और चीन ही ऐसे देश थे जिन्होंने एआई को विकसित करने के लिए भारी सरकारी फंडिग की।

भारत में हैदराबाद आईआईटी पहला ऐसा राष्ट्रीय संस्थान था जहां 2005 में एआई को लेकर एमटेक कोर्स की पहल की गई। इसे भारत का पहला एआई डेडीकेटेड अकादमिक प्रोग्राम माना जाता है। इसके बाद हैदराबाद की ही सेंट्रल यूनिवर्सिटी तथा उस्मानिया विश्वविद्याल और जवाहरलाल नेहरू टेक्नालाजीकल यूनिवर्सिटी ने एआई की पढ़ाई पर फोकस किया। कानपुर और आईआईटी मद्रास में भी एआई रिसर्च के बतौर कम्प्युटर साइंस के साथ जुड़ी हुई थी। 2018 में आईआईटी खडगपुर ने पहली बार एआई की बीटेक डिग्री अलग से शुरू की। इसके बाद एआई बीटेक को आईआईटी हैदराबाद ने 2019 में लांच किया। फिर 2020 में आईआईटी भिलाई ने इसे अपनाया। देश में एआई की पढ़ाई तीन रूप में होती

है। पहली, बीटेक सीएसई के साथ एआई स्पेशलाइजेशन, दूसरी सीधी एआई में बीटेक की डिग्री यानि डाटा साइंस एआई और तीसरा एमटेक एआई डाटा साइंस। अब तो देश में लगभग 500 सरकारी और गैर सरकारी इंजीनियरिंग संस्थानों ने एआई की अलग डिग्री या इसे कम्प्युटर साइंस के साथ जोडक़र देने का काम शुरू कर दिया है। भारत सरकार ने भी इसके भारतीय वर्सन को विभिन्न सरकारी संस्थानों में विकसित करने तथा आत्मनिर्भरता की खातिर डाटा सेंटर के लिए धनराशि का प्रावधान करना शुरू कर दिया है।

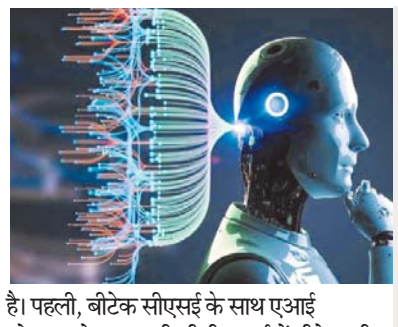

फर्क एआई और कम्प्युटर साइंस का

एआई को साफ और सरल शब्दों में समझा जाए तो यह मशीन को सोचने-समझने लायक बनाती है। डीप लर्निंग, चेटबॉट्स, रोबोटिक्स और डाटा प्रोडक्शन जैसे काम तेजी से करना है। जबकि कम्प्युटर साइंस का मुख्य फोकस साफ्टवेयर बनाना, प्रोग्रामिंग करना, मोबाइल एप से लेकर वेबसाइट बनाना तथा नेटवर्किंग और डाटा बेस तैयार करना है। कुल मिलकर देखें तो एआई का मतलब कम्प्युटर साइंस की अगली कड़ी कहा जा सकता है। यहां यह बताना भी जरूरी है कि एआई की विधा सिर्फ कम्प्युटर साइंस तक सीमित नही है। यह केवल भ्रम ही है कि यह आईटी, सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रानिक्स, कम्युनिकेशन जैसे कोर इंजीनियरिंग जॉब्स वाले युवाओं की नौकरी खा जाएंगी या उनके नौकरी पाने के अवसर खत्म कर देगी। इसमें सभी के लिए अवसर हैं। बस, उन्हें एआई से संबंधित कुछ कोर्स करना होंगे। इनमें साल भर के कुछ नियमित पाठ्यक्रम हैं और कई ऑनलाइन भी किए जा सकते हैं। - जारी

न्यूज विंडो

मनगवां टीआई समेत तीन पुलिसकर्मी निलंबित

रीवा। जिले में पुलिस महकमे में बड़ी कार्रवाई हुई है। तीन पुलिसकर्मियों को सोमवार की देर रात निलंबित कर दिया गया है। थाना मनगवां में एनडीपीएस एक्ट और 5/13 औषधि नियंत्रण अधिनियम के तहत की गई कार्रवाई में हेरफेर की शिकायत मिलने के बाद एक्शन लिया गया है। पुलिस जांच में थाना मनगवां के कार्यवाहक निरीक्षक गजेन्द्र सिंह धाकड़, आरक्षक विजय यादव और आरक्षक बृजकिशोर अहिरवार का आचरण प्रथम दृष्टया भ्रष्ट एवं संदिग्ध पाया गया। इसके बाद तीनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

झारखंड एयर एंबुलेंस हादसे की हो गहन जांच

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने झारखंड में हुए एयर एंबुलेंस हादसे की गहन और पारदर्शी जांच की मांग की। इस हादसे में विमान में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित बीचक्राफ्ट एयर एंबुलेंस सोमवार शाम को झारखंड के रांची से दिल्ली जा रही थी। इसी दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

लेह जा रहे स्पाइसजेट के विमान का इंजन फेल

नई दिल्ली। स्पाइसजेट की दिल्ली से लेह जा रही फ्लाइट SG-121 को मंगलवार सुबह तकनीकी खराबी के चलते उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।

फ्लाइट में करीब 150 यात्री सवार थे। सूत्रों के मुताबिक, विमान के इंजन नंबर-2 में खराबी आने की आशंका के बाद पायलट ने फ्लाइट को वापस दिल्ली लौटाने का फैसला लिया। विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

दुबई में मौत, वहीं जलाया शव, कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। क्या मृतक के धर्म और उससे जुड़े रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार करना उसके परिजनों का मौलिक अधिकार है? यह सवाल उस समय उठा जब एक मां ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई कि उनके बेटे का शव दुबई में बिना अंतिम संस्कार के जला दिया गया। उसके परिवार को उसके अंतिम संस्कार की रस्में पूरी नहीं करने दी गईं। उत्तर प्रदेश की सावित्री ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उनका 29 वर्षीय बेटा पंकज, जो पिछले दो वर्षों से दुबई में काम कर रहा था। मौत के बाद उसका शव वहीं जला दिया गया। कोर्ट ने केंद्र सरकार से मामले में जवाब मांगा है।

आज का कार्टून

'INDI गठबंधन की कमान छोड़ दें राहुल, कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का बड़ा बयान

कल से शुरू हो रही है भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा

इजराइल की संसद में घमासान, मोदी के भाषण का बहिष्कार करेगा विपक्ष

तेल अवीव, एजेंसी

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले इजरायल की संसद में घमासान मचा हुआ है। इजरायल में विपक्षी पार्टियों ने कहा है कि वे नेसेट (इजरायल की संसद) में प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी के भाषण का बहिष्कार करेंगी। विवाद की शुरुआत नेसेट स्पीक आमिर ओहाना के उस कदम से हुई, जिसमें उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के प्रेसीडेंट को स्पेशल सेशन में नहीं बुलाने का फैसला किया है। विपक्ष ने कहा नेतन्याहू सरकार सुप्रीम कोर्ट के प्रेसीडेंट को नजरअंदाज कर रही है, ऐसे में उनके लिए भारतीय प्रधानमंत्री के संबोधन में शामिल होना संभव नहीं होगा।

विपक्ष के बहिष्कार ने भारतीय प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर एक असहज स्थिति पैदा कर दी है। इजरायल के दोस्त देश के नेता के संबोधन के दौरान आधी संसद का खाली रहना एक गलत संदेश देगा। इस स्थिति से बचने के लिए एक प्लान तैयार हो रहा है। नेतन्याहू सरकार विपक्ष के कदम को घरेलू राजनीति में विदेशी दोस्त को घसीटने से जोड़ रही है। हालांकि, विपक्ष ने इन आरोपों से इनकार किया है और साफ करने की कोशिश की है कि वह भारत या प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में नहीं है। लैपिड ने सोमवार को एक्स पर लिखा, हम सेशन में रहना चाहते हैं। हमें सेशन में रहने की जरूरत है। उन्होंने नेतन्याहू से आग्रह किया कि वे यह पक्का करें कि सुप्रीम कोर्ट के प्रेसीडेंट को

बुलाया जाए, ताकि विपक्ष हिस्सा ले सके। इसके पहले उन्होंने नेसेट में कहा कि विपक्ष भारत को शर्मिंदा नहीं करना चाहता।

सुप्रीम कोर्ट चीफ को लेकर विवाद: जनवरी 2025 में यित्जाक अमिक के सुप्रीम कोर्ट का प्रेसीडेंट चुने जाने के बाद से ही नेतन्याहु सरकार की उनसे ठनी हुई है। जस्टिन मिनिस्टर यारिव लेविन ने उनकी अर्थॉरिटी को मानने से इनकार कर दिया। बाद में लेविन ने अमित से मिलने या कोर्ट हेड के तौर पर संबोथित करने से भी इनकार कर दिया। स्टेट गजट में चीफ जस्टिस के तौर पर उनकी नियुक्ति को प्रकाशित भी नहीं किया। इस बॉयकॉट की वजह से अमित को नेसेट के कई कार्यक्रमों से बाहर रखा गया है। इनमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के दूसरे नेताओं के भाषण भी शामिल हैं।

विपक्ष के बॉयकॉट पर सवाल

इजरायली विपक्ष के बॉयकॉट को लेकर कुछ गंभीर सवाल भी उठ रहे हैं। खास बात है कि पूर्व में ऐसी ही स्थिति में अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली संसद को संबोधित किया था, लेकिन तब विपक्ष इसमें शामिल हुआ था। उस समय में यित्जाक अमिक तो बुलाया नहीं गया था। इजरायली स्पीकर ओहाना ने विपक्ष की धमकी को एक नाजायज हथियार बताया है। उन्होंने कहा कि लैपिड ऐसा करके दुनिया की सबसे बड़ी ताकतों में से एक (भारत) के साथ इजरायल के रिश्तों को नुकसान न पहुंचाएं। उन्होंने यह भी कहा कि लैपिड को भारतीय दूतावास को यह बताना चाहिए कि उन्होंने राष्ट्रपति माइली और राष्ट्रपति ट्रंप के सम्मान में हुए स्पेशल सेशन का बॉयकॉट क्यों नहीं किया, लेकिन वह उनके प्रधानमंत्री का बहिष्कार करेंगे।

समिट में प्रदर्शन केस

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु गिरफ्तार

नईदिल्ली. एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने पिछले हफ्ते एआई इम्पैक्ट समिट में भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन के मामले में यूथ कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब को गिरफ्तार किया है। इस मामले में यह 8वीं गिरफ्तारी है। दिल्ली पुलिस ने इंडियन यूथ कांग्रेस के दिल्ली अध्यक्ष उदय भानु चिब को भी पूछताछ के लिए बुलाया था। गिरफ्तार की बाद पुलिस ने उदय भानु चिब को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया है। इससे पहले सोमवार को तीन और आरोपियों जितेंद्र यादव, राजा गुर्जर व अजय कुमार को ग्वालियर से गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस ने विरोध प्रदर्शन वाले दिन युवा कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था।

धनबाद और चोपन एक्सप्रेस को आज हरी झंडी दिखाकर सीएम करेंगे रवाना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आज शाम 7:30 बजे भोपाल स्टेशन से दो नई ट्रेनों-भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस और भोपाल-चोपन एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय रेल मंत्री वर्चुअल रूप से शामिल रहेंगे।

भोपाल-धनबाद-भोपाल त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस 27 फरवरी से भोपाल से और 1 मार्च से धनबाद से नियमित रूप से संचालित होगी। वहीं भोपाल-चोपन-भोपाल साप्ताहिक ट्रेन 1 मार्च से भोपाल से और 2 मार्च 2026 से चोपन से चलेगी। इन ट्रेनों के शुरू होने से यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधा मिलेगी। गाड़ी संख्या 01631 भोपाल-धनबाद स्पेशल भोपाल से आज 19.30 बजे प्रस्थान कर, विदिशा सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 19.20 बजे धनबाद पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01632 धनबाद से बुधवार 25 फरवरी को 23.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन विदिशा 21.20 बजे और भोपाल 22.35 बजे पहुंचेगी।

जो ट्रेड डील हुई नहीं उसके खिलाफ भोपाल में आज कांग्रेस का हल्लाबोल

राहुल के आने के पहले कांग्रेसियों ने दिखाया जोश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारत और अमेरिका के बीच अभी ट्रेड डील फाइनल नहीं हुई है, लेकिन इसके खिलाफ आज भोपाल में कांग्रेस ने किसान महाचौपाल का आयोजन किया है। चौपाल को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संबोधित करेंगे। भोपाल के जवाहर चौक के मुख्य चौराहे पर मंच बनाया गया है। इसके सामने अटल पथ के दोनों तरफ की सड़कों पर बड़ा डोम लगाया गया है। कांग्रेस का दावा है कि करीब 50 हजार लोग पहुंचेंगे। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा

कि देश के हर किसान को चाहे वह भाजपा की विचारधारा को मानता हो, सभी को ये एहसास हो गया है कि नरेंद्र मोदी ने दबाव में आकर ट्रेड डील की गई है। उसी का असर है कि तीन दिन की तैयारी में लाखों लोग भोपाल आ रहे हैं। इधर, इस महापंचायत को लेकर भोपाल में आज सुबह से ही कांग्रेसियों के विभिन्न जिलों से आ रहे वाहनों के जत्थे दिखाई देते रहे। इसके कारण कई जगह ट्रैफिक जाम के हालात भी दिखाई दिए। पुलिस प्रशासन ने ट्रैफिक को लेकर भी वैकल्पि प्लान जारी किया है।

मेट्रो एंकर

होलाष्टक शुरू... पांच राशियों पर अधिक हो सकता है नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव

आठ दिनों तक उग्र रहेंगे ग्रह, अंगारक योग भी बढ़ा रहा है चिंता

नईदिल्ली. एजेंसी

होली से 8 दिन पहले होलाष्टक लग जाते हैं। इस दौरान नवग्रह उग्र हो जाते हैं। इसलिए कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। आज से होलाष्टक का आरंभ हो गया है। इन 8 दिन अलग-अलग तिथियों को सभी ग्रह सूर्य, शनि, गुरु, बुध, शुक्र, राहु, केतु, मंगल और चंद्रमा उग्र अवस्था में रहेंगे। साथ ही इस समय राहु और मंगल कुंभ राशि में गोचर करते हुए अंगारक योग भी बना रहे हैं। ग्रहों के इस योग संयोग का प्रभाव पांच राशियों पर विशेष रुप से देखने को मिलेगा। ज्योतिषियों के अनुसार अष्टमी से पूर्णिमा तक अलग-अलग दिनों में अलग-अलग ग्रह उग्र होते हैं जैसे अष्टमी तिथि को चंद्रमा उग्र रहते हैं, नवमी को सूर्य, दशमी तिथि को शनि, एकादशी को शुक्ल, द्वादशी तिथि को गुरु प्रतिकूल स्थिति में होते हैं।

- **मिथुन राशि की परेशानी:** मिथुन राशि में इस समय गुरु गोचर कर रहे हैं और होलाष्टक के अंतिम दिनों में गुरु उग्र अवस्था में होंगे ऐसे में मिथुन राशि के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही राहु इनके नवम भाव में होंगे। ऐसे में आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। साथ ही मन में भ्रम की स्थिति भी रहेगी। कई मानसिक उलझन भी पैदा हो सकती हैं।
  उपाय - गुरुवार को केले का दान
- **कर्क में दुर्घटना की आशंका:** होलाष्टक की शुरुआत कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में विराजमान होंगे और अपनी प्रबल स्थिति में होंगे और इस दिन चंद्रमा उग्र अवस्था में रहेंगे। ऐसे में कर्क राशि के लोगों को थोड़ा संयम से काम करने की जरूरत है। धैर्य के साथ काम करें वरना आप अपना बड़ा नुकसान कर सकते हैं। साथ ही वाहन आदि का प्रयोग थोड़ा संभलकर करें। दुर्घटना आदि होने की आशंका है।
  उपाय - शिव चालीसा का नियमित पाठ
- **सिंह राशि- पारिवारिक सम्बन्ध :** सिंह राशि के स्वामी यानी सूर्य नवमी तिथि के दिन उग्र अवस्था में होंगे। सूर्य के पीड़ित होने पक सिंह राशि के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान आपके अपने पिता के साथ काफी मतभेद रह सकते हैं। साथ ही कार्यस्थल पर भी आप आत्मविश्वास के साथ काम नहीं कर पाएंगे। इस दौरान केतु भी आपकी राशि में गोचर कर रहे हैं ऐसे में आपका किसी काम में ठीक से मन भी नहीं लग पाएगा।
  उपाय - सूर्य चालीसा का पाठ
- **कुंभ के लिए करियर की उलझन:** कुंभ राशि की इस समय साढ़ेसाती चल रही है। साथ ही इस समय कुंभ राशि में अंगारक योग भी बना हुआ है। राहु और मंगल भी इस समय कुंभ राशि में गोचर कर रहे हैं दोनों की युति बनने से अंगारक योग भी बना है। वहीं, राशि स्वामी शनि होलाष्टक के समय दशमी तिथि को उग्र अवस्था में होंगे। ऐसे में कुंभ राशि के लोगों को करियर से जुड़ी कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही पारिवारिक जीवन में भी गलतफहमी आदि का सामना करना पड़ सकता है।
  उपाय - हनुमान चालीसा का नियमित पाठ
- **मीन राशि में उग्र शनि से कष्ट:** मीन राशि के स्वामी गुरु होलाष्टक की द्वादशी तिथि के दिन उग्र अवस्था में रहेंगे। साथ ही मीन राशि में इस समय शनि का गोचर भी है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को इन दिनों मानसिक भ्रम का सामना करना पड़ सकता है। निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होगी। आप इस समय अपने परिवार के लोगों के साथ भी थोड़ी दूरी महसूस कर सकते हैं। अगर कर्ज लेने का सोच रहे हैं तो थोड़ा रुक जाएं।
  उपाय - लोहे की चीजों का दान।

लाखों खर्च, निगरानी शून्य: चौराहों से गायब हुए सौंदर्यीकरण के पौधे

शहर को हराभरा और सुंदर बनाने के लिए नगर निगम द्वारा विभिन्न प्रमुख चौराहों और सड़कों के किनारे बड़े स्तर पर पौधारोपण किया गया था। सौंदर्यीकरण के नाम पर लगाए गए इन पेड़-पौधों से उम्मीद थी कि शहर की तस्वीर बदलेगी और प्रदूषण पर भी कुछ हद तक नियंत्रण मिलेगा। लेकिन अब हालात यह हैं कि कई चौराहों से पौधे रहस्यमय तरीके से गायब हो चुके हैं या सूखकर खत्म हो गए हैं। नगर निगम ने शहर के प्रमुख चौराहों पर गमलों में सजावटी पौधे, हरियाली पट्टियां और छोटे-छोटे वृक्ष लगाए थे। शुरुआती दिनों में इनकी देखभाल भी दिखाई दी, लेकिन धीरे-धीरे निगरानी कम होती गई। परिणामस्वरूप कई जगहों से पौधे चोरी हो गए। कुछ स्थानों पर पानी और रखरखाव के अभाव में पौधे सूख गए। तो कहीं खाली गमले ही पड़े दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि नियमित निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था होती तो यह स्थिति नहीं बनती। शहरवासियों का सवाल है कि जब पौधारोपण पर सरकारी धन खर्च किया गया तो उसकी जवाबदेही किसकी है? क्या संबंधित विभाग ने नियमित निरीक्षण किया? क्या पौधों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस योजना बनाई गई थी? विशेषज्ञों का मानना है कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल जरूरी होती है। बिना रखरखाव के यह पूरा अभियान केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। इन पौधों के गायब होने से न केवल शहर की सुंदरता प्रभावित हुई है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन पर भी असर पड़ा है। हरियाली कम होने से गर्मी और धूल की समस्या और बढ़ सकती है। शहर को स्मार्ट और सुंदर बनाने के दावे तभी सार्थक होंगे, जब लगाए गए पौधे केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित न रहें, बल्कि वर्षों तक हरियाली बनकर शहर की पहचान बनें।

वक्फ संपत्तियों के पंजीयन में गड़बड़ी, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में खुलासा

स्कूल और थाने की जमीन को बता दिया कब्रिस्तान; सरकारी और वनभूमि भी पंजीकृत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को लेकर कई सवाल उठे हैं। विधानसभा में प्रस्तुत नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट में वक्फ संपत्तियों के पंजीयन में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। सामुदायिक प्रयोजन के लिए आरक्षित भूमि को भी बोर्ड ने वक्फ के रूप में शामिल किया। इनका बाजार मूल्य 77 करोड़ रुपये आंका गया है। इतना ही नहीं जंगल की संपत्ति को भी वक्फ की संपत्ति में दिखाया गया। प्रशासन की उदासीनता भी कई बार सामने आई।

आपत्तियां को किया दरकिनार

जांच में सामने आया कि बोर्ड ने जिला प्रशासन की आपत्तियों को दरकिनार किया। दो आवदेकों ने धार के बसंत विहार कॉलोनी स्थित अपने 66.87 वर्गमीटर वाले मकानों को मस्जिद के उद्देश्य से वक्फ के रूप में पंजीकृत करने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने मकानों को वक्फ के रूप में पंजीकृत करने आपत्ति जताते हुए अनापत्ति

जारी करने से मना कर दिया। फिर भी बोर्ड ने 18 नवंबर 2022 को संपत्तियों को वक्फ के रूप में पंजीकृत कर दिया और आपत्तियों को समयसीमा 30 दिन समाप्त समाप्त होने का हवाला देकर अस्वीकार कर दिया। कलेक्टर ने बोर्ड द्वारा जारी पंजीकरण निरस्त करने का आदेश जारी किया पर नहीं माना । मामला न्यायाधिकरण में है। वक्फ संपत्तियों की जांच में यह भी पाया गया कि 81 में से लगभग आधी संपत्ति सरकारी जमीन थी।

क़ब्रिस्तान बताकर पंजीयन

ऐसा ही एक प्रकरण भोपाल के मिसरोद में सामने आया। यहां जिस जमीन पर स्कूल और पुलिस स्टेशन है, उसे कब्रिस्तान बताकर पंजीकृत किया गया। तहसीलदार, पुलिस स्टेशन के प्रभारी ने भी आपत्तियां कीं लेकिन बोर्ड ने फिर भी पंजीयन किया। विदिशा जिले में हलाली जलाशय क्षेत्र में 410 वर्गमीटर जंगल की जमीन को वक्फ के तौर पर पंजीकृत कर दिया, जबकि इसे वनाधिकार अधिनियम के अंतर्गत पट्टे पर दिया था लेकिन जनवरी 2023 में औकाफ रजिस्टर में दर्ज कर दिया गया। भोपाल के संजय नगर लेंडिया तलब में 19.80 वर्ग मीटर क्षेत्र वाली भूमि को शासन ने जून 1994 में 30 वर्ष के पट्टे पर एक पट्टेदार को हस्तांतरित किया था। शर्त यह तय थी कि इसका स्वामित्व शासन के पास रहेगा, जिसका हस्तांतरण नहीं होगा। आवासीय उद्देश्य के अलावा किसी अन्य उपयोग की अनुमति नहीं है। जांच में यह पाया गया कि अगस्त 2021 में संपत्ति को औकाफ पंजी में वक्फ के रूप में पंजीकृत करने के लिए बोर्ड में आवेदन दिया गया। भूमि अवैध कब्जे में है और इसे शासन को अपने अधीन लेना चाहिए।

किराया संशोधन न होने के कारण बोर्ड को नुकसान

वक्फ प्रबंधन समिति के अभिलेखों की जांच में पाया गया कि भोपाल स्थित 3,887 आवास, व्यवसाय एवं उद्देश्य के लिए जो संपत्तियां हैं उनका मासिक किराया मात्र दो रुपये लिया जा रहा था। समिति ने दिसंबर 2020 में बोर्ड को जानकारी प्रस्तुत की और पट्टा नियम 2020 के अनुसार वसूले जाने योग्य किराए और वास्तविक किराए के बीच 1.35 करोड़ प्रतिमाह का अंतर दर्शाया। बोर्ड के अभिलेखों की जांच के दौरान यह भी देखा गया कि 14,000 से अधिक वक्फ पंजीकृत थे लेकिन 2018-19 से 20-21 के दौरान केवल दो से तीन प्रतिशत ने ही अपने लेख बोर्ड को प्रस्तुत किए।

रेल सफर होगा और भी सुरक्षित और आरामदायक

ट्रैक मेंटेनेंस के लिए रेलवे खर्च करेगा 7.72 करोड़ रुपए

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के रेल यात्रियों को जल्द ही अधिक सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का लाभ मिल सकता है। पश्चिम मध्य रेल, भोपाल ने ट्रैक मेंटेनेंस को मजबूत बनाने के लिए टैम्पिंग मशीनों की ओवरहॉलिंग के लिए करीब 7.72 करोड़ रुपये का ई-टेंडर जारी किया है।

संतुलित रहेगी ट्रेनों की रफ्तार

इस टेंडर के तहत पीसीएमटी टैम्पिंग यूनिट के 3 सेट और सीएसएम/डीयूओ टैम्पिंग यूनिट के 7 सेटों की मरम्मत और पूरी ओवरहॉलिंग की जाएगी। ये मशीनें रेलवे ट्रैक की लाइन और लेवल को सही रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। नियमित ओवरहॉलिंग से पटरियों की गुणवत्ता बेहतर होगी, जिससे ट्रेनों की रफ्तार संतुलित रहेगी और झटकों में कमी आएगी।

काम के लिए 30 माह का समय

इस काम को पूरा होने में 30 महीने का समय तय किया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस पहल से ट्रैक मेंटेनेंस अधिक प्रभावी होगा, जिससे देरी की संभावना कम होगी। साथ ही भोपाल से गुजरने वाली ट्रेनों का संचालन और सुरक्षित व सुचारू बनेगा।

शिक्षा के क्षेत्र में भारतीयता का स्पष्ट स्वरूप ही हमारा लक्ष्य

विद्या भारती के प्रकाशन विभाग की कार्यशाला आयोजित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के कार्य में प्रकाशन विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस उद्देश्य को सुदृढ़ करने हेतु विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा प्रकाशन विभाग की दो दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला का आयोजन सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान के प्रांतीय कार्यालय प्रज्ञादीप हर्षवर्धन नगर भोपाल में किया गया।

कार्यशाला में देशभर से प्रकाशन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। समापन सत्र के मुख्य वक्ता विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविन्द चंद्र महंत ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी भारतीय चिंतन, मातृभाषा आधारित शिक्षण, संस्कार केंद्रित शिक्षा तथा समग्र विकास की स्पष्ट झलक दिखाई

देती है। वर्तमान में जो पाठ्यक्रम निर्मित किए जा रहे हैं, वे इसी आधार पर तैयार हो रहे हैं, जो शिक्षा को भारतीय जीवन मूल्यों से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना है जिनकी सोच भारतीयता से प्रेरित हो, जो राष्ट्रनिष्ठ, संस्कारित और उत्तरदायी नागरिक बनें। इसी विचार के साथ हमारी भावी पीढ़ी का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 'शिशु वाटिका' की अवधारणा, जिसे वर्षों से संस्कार आधारित प्रारंभिक शिक्षा के रूप में विकसित किया गया, आज शासन द्वारा भी स्वीकार की जा रही है। इससे पूर्व उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविन्द चंद्र महंत, सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकार, अखिल भारतीय महामंत्री देशराज शर्मा, कोषाध्यक्ष रोहित वासवानी, मध्यभारत प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष मोहनलाल गुप्त सहित अखिल भारतीय, क्षेत्रीय एवं प्रांतीय स्तर के विभिन्न अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हिन्दी लेखिका संघ का 31वां वार्षिक उत्सव एवं कृति सम्मान समारोह संपन्न

लेखक की संवेदना पाठक की संवेदना बन जाए

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हिन्दी लेखिका संघ, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित 31वां वार्षिक उत्सव एवं कृति पुरस्कार-सम्मान समारोह पं. रविशंकर सभागृह, हिन्दी भवन में संपन्न हुआ। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आई साहित्यकारों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने स्वागत उद्बोधन में वर्षभर की गतिविधियों– साहित्यिक गोष्ठियों, काव्य पाठ, पुस्तक विमोचन, युवा लेखन प्रोत्साहन एवं प्रकाशन कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ महिला रचनाकारों को सशक्त मंच प्रदान करने हेतु निरंतर सक्रिय है। अध्यक्षीय उद्बोधन में अखिल भारतीय साहित्य परिषद की प्रांतीय मंत्री डॉ. करुणा सक्सेना ने कहा कि स्त्री जीवन संस्कार, पोषण और सृजन के साथ निरंतर आगे बढ़ता है। साहित्य केवल दर्पण नहीं, दीपक भी है। हमें केवल पीड़ा नहीं, बल्कि उसके समाधान भी लिखने होंगे। ' मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यकांत नागर (इंदौर) ने कहा, 'लेखन गंभीर साधना है। लेखन ऐसा हो कि लेखक

की संवेदना पाठक की संवेदना बन जाए। प्रमुख अतिथि डॉ. संतोष चौबे, कुलाधिपति, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल एवं निदेशक, विश्वरंग ने साहित्य को वैचारिक ऊर्जा का स्रोत बताते हुए कहा कि महिलाएँ पारिवारिक दायित्वों के साथ भी लेखन के माध्यम से भाषा को जीवित रखती हैं। वे भाषा में अपना ऐसा घर निर्मित करती हैं, जिसे कोई उनसे छीन नहीं सकता। कार्यक्रम में पद्मश्री सम्मानित कैलाश पंत, डॉ रामवल्लभ आचार्य, गोकुल सोनी, मुकेश वर्मा, डॉ घनश्याम मैथिल उपस्थित रहे। समारोह में कुसुम कुमारी जैन वरिष्ठता सम्मान श्रीमती शीला श्रीवास्तव को, डॉ. फिरोजा मुजफ्फर सेवा सम्मान डॉ. कुमकुम गुप्ता को, डॉ. सुशीला कपूर हिंदी सेवी सम्मान सुमन ओबेराय को तथा शोभा शर्मा कर्मठता सम्मान राधारानी चौहान को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त समग्र साहित्य, उपन्यास, ग़ज़ल, नाटक, लघुकथा, कथा, लोक साहित्य, बाल कविता, आध्यात्मिक पद्य, डायरी एवं समीक्षा सहित विभिन्न विधाओं में कृति पुरस्कार प्रदान किए गए। मीडिया जगत सम्मान के अंतर्गत मनीष गौतम, निधि सिंह, रघुवीर तिवारी, सुशील पांडे, अमिता त्रिवेदी को सम्मानित किया।

मेट्रो एंकर

भारत भवन में 44वें वर्षगांठ समारोह का हुआ रंगारंग समापन

ओडिसी नृत्य की शास्त्रीय प्रस्तुति में भगवान विष्णु के दशावतारों का चित्रण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बहुकला केंद्र भारत भवन के 44वें वर्षगांठ समारोह का भव्य समापन हो गया। सांस्कृतिक उत्सव के अंतिम दिन ने कला प्रेमियों को एक अद्भुत अनुभव प्रदान किया। इस दस दिवसीय महोत्सव ने कला की विविधता और भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को महसूस कराने में अपनी भूमिका निभाई। समारोह में लोक अंचलों के गीतों की प्रस्तुतियों ने भारत भवन के परिसर को एक बार फिर से सांस्कृतिक महफिल में तब्दील कर दिया। समारोह की शुरुआत बुंदेली लोक कला के सम्मान के साथ हुई। लोक संगीत की इस अनमोल धरोहर को प्रस्तुत करने के लिए ऋषि विश्वकर्मा और उनके साथियों ने बुंदेली ऋतुगीतों की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति दी। ऋषि ने विशेष रूप से 'चेती गीत' से शुरुआत की, जिसमें उन्होंने 'चैत मास की परी

दुपहरिया...' गाया, जो बुंदेलखंड की पारंपरिक धारा और ऋतु की खुशबू से सजी हुई प्रस्तुति थी। इसके बाद उन्होंने बसंत गीत और बुंदेली फाग से जुड़े लोकगीतों को प्रस्तुत किया, जो न केवल संगीत की गहराई को बल्कि उत्तर भारत के ग्रामीण जीवन के अहसास को भी जीते हुए थे। उनका 'कजरी गीत' 'हरे रामा रिमझिम बरसे पनिया झूले राधा रानिया...' ने समां बांध दिया। इस प्रस्तुति में उनके साथ जयंत विश्वकर्मा, चेतन, मनोज, शिवम, प्रह्लाद, अमित, प्रशांत और दिलीप ने साथ दिया। समारोह के अगले क्रम में बघेली लोकगीतों की प्रस्तुति के साथ शीला त्रिपाठी और उनके साथियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। शीला त्रिपाठी ने इस प्रस्तुति की शुरुआत 'मैहर वाली माई हो...' गीत से की, जिसे सुनते ही महकते लोक संगीत के रंग भारत भवन के हॉल में फैल गए। उन्होंने अपनी आवाज में बघेली लोकगायन के अनुरूप 'आई आई रे बसंत बहार...' और 'नैना लगि जाए...' जैसे गीतों को प्रस्तुत किया। शीला की आवाज की मधुरता और उनके साथियों की संगत ने गीतों में आत्मा का संचार कर दिया। इसके अलावा, गीतों के मध्य 'कउने रंग मुंगवा...' और 'हरे रामा सावन शिव बउराने...' ने एक तरह से सुनने वालों को लोक संस्कृति की गहराई में डुबो दिया। गीतों के इस सफर का समापन 'सिर बांधे मुकुट खेलय होली...' के साथ हुआ, जो उत्सव और उमंग की भावना को दर्शाता था। ओडिसी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति समारोह के अंतिम हिस्से में, एक अद्भुत कला रूप की प्रस्तुति हुई, जिसमें पंडित रतिकांत महापात्र और उनके शिष्यगण ने ओडिसी नृत्य की समर्पणमयी प्रस्तुति दी।

विंटेज कार में घूमते दिखे अभिनेता अरबाज खान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में इन दिनों फिल्मी हलचल तेज है। अरबाज खान के प्रोडक्शन हाउस की एक नई फिल्म की शूटिंग शहर में जारी है। फिल्म फिलहाल अनटाइटल्ड है और इसका नाम अभी तय नहीं किया गया है।

फिल्म की शूटिंग 8 फरवरी से भोपाल में चल रही है और यह शेड्यूल 15 मार्च तक जारी रहेगा। टीम शहर के अलग-अलग हिस्सों में लगातार शूट कर रही है। फिल्म की ज्यादातर शूटिंग ओल्ड सिटी इलाके में हो रही है। इकबाल मैदान, इब्राहिमपुरा, चौक मार्केट, गुर्जरपुरा और कोहेफिजा क्षेत्र में यूनिट ने कई सीन फिल्माए हैं। शूटिंग के दौरान लोगों की भीड़ भी देखने को मिल रही है। एक वीडियो में अरबाज खान इकबाल मैदान के पास शूटिंग के दौरान एक विंटेज कार में नजर आ रहे हैं।

वहीं दूसरे वीडियो में वे मोती मस्जिद के आसपास घूमते व सीन की तैयारी करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान सुरक्षा और क्रू की हलचल के बीच स्थानीय लोग अपने मोबाइल में तस्वीरें और वीडियो कैद करते दिखे। जानकारी मुताबिक, फिल्म में अन्य कलाकार भी शामिल होंगे। कुछ कलाकारों के भोपाल आने की संभावना है, हालांकि आधिकारिक रूप से कास्ट का पूरा खुलासा अभी नहीं किया गया है।

हाई-वे परियोजना की मंजूरी पर किसान प्रतिनिधि मंडल ने किया मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सम्मान

किसानों की बेहतरी के लिये हो रहे हैं तेज गति से कार्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विकास की बात पर हम सब एक हैं। सबके साझा प्रयासों से हम मध्यप्रदेश को देश के विकसित प्रदेशों की श्रेणी में लेकर आएंगे। प्रदेश में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारियों के कल्याण के लिए मिशन मोड पर काम जारी है। इसी कड़ी में हमने जीवाईएएन में आई फॉर इंडस्ट्रियलाइजेशन और आई फॉर इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़कर इसे ज्ञानी बना दिया है। अब विकास की दिशा में यही हमारा मूल मंत्र है। किसानों की बेहतरी के लिए हम तेजी से कार्य कर रहे हैं। किसानों को अपने उत्पाद देश की बड़ी मंडियों तक पहुंचाने के लिए पहली जरूरत कनेक्टिविटी होती है। किसानों की इस जरूरत को पूरा करने के लिये हमने प्रदेश में सड़क मार्गों और राजमार्गों का जाल बिछाने का बीड़ा उठाया है। सीएम मुख्यमंत्री निवास पर आए किसान प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा-कांग्रेस भी कराएंगी मतदाताओं का सत्यापन

34.25 लाख मतदाता हटने से बढ़ी सियासी दलों की चिंता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एसआइआर के बाद जारी अंतिम मतदाता सूची ने सियासी दलों की चिंता बढ़ा दी है। अंतिम सूची से 34.25 लाख मतदाताओं के नाम हटने के बाद खासतौर पर भाजपा सक्रिय हो गई है।

पार्टी को आशंका है कि इतने बड़े पैमाने पर मतदाताओं की कमी आगामी चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में भाजपा ने बूथ स्तर पर रणनीति बनाते हुए अपने बूथ लेवल एजेंट बीएलए को सक्रिय करने का निर्णय लिया है।

बूथवार सत्यापन का अभियान- भाजपा अब बूथवार उन मतदाताओं की तलाश करेगी, जो या तो स्थानांतरित हो गए हैं या अनुपस्थित दर्ज किए गए हैं। यह संख्या 31.50 लाख से अधिक बताई जा रही है। पार्टी का कहना है कि यदि ये मतदाता पात्र हैं तो उनके नाम दोबारा सूची में जुड़वाने का प्रयास किया जाएगा। भाजपा प्रदेश एसआइआर टोली के सहसंयोजक एएस उप्पल ने अभियान चलाने की घोषणा की है।

आंकड़ों में बदलाव की तस्वीर

एसआइआर से पहले कुल मतदाता 5,74,06,143 थे। प्रारूप सूची के बाद यह संख्या घटकर 5,31,31,983 रह गई। अंतिम सूची में कुल मतदाता 5,39,81,065 दर्ज किए गए, यानी प्रारूप के बाद 8,49,082 की शुद्ध वृद्धि हुई। पूर्व सूची के अनुरूप 34,25,078 नाम हटाए गए। श्रेणीवार देखें तो 8146 लाख नाम मृतक श्रेणी में हटे, 3150 लाख अनुपस्थित या स्थानांतरित पाए गए और 2177 लाख नाम दो या अधिक स्थानों पर दर्ज थे। पुरुष मतदाता 2,93,91,548 से घटकर 2,79,04,975 और महिला मतदाता 2,80,13,362 से घटकर 2,60,75,186 रह गए।

राजनीतिक दलों का मानना है कि इतने बड़े पैमाने पर नाम कटने से चुनावी गणित प्रभावित हो सकता है, इसलिए अब दोनों प्रमुख दल बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने में जुट गए हैं।

कांग्रेस भी करेगी घर घर मिलान

कांग्रेस ने भी अपने बीएलए के माध्यम से हटाए गए मतदाताओं का सत्यापन कराने का फैसला किया है। कांग्रेस का कहना है कि वह पुरानी, प्रारूप और अंतिम मतदाता सूची का मिलान कराएगी। यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई गई तो न्यायालय का रुख किया जाएगा।

तत्कालीन स्वास्थ्य संचालक डॉ. योगीराज शर्मा मामले में सख्ती

कोर्ट ने ईओडब्ल्यू की खात्मा रिपोर्ट की खारिज, कहा- बिना जांच क्लीनचिट दी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

साल 2007 में आयकर छापे और उसके बाद लोकायुक्त व ईओडब्ल्यू की कार्रवाई के कारण चर्चा में आए तत्कालीन स्वास्थ्य संचालक डॉ. योगीराज शर्मा को ईओडब्ल्यू ने क्लीनचिट दे दी। आयकर छापे के करीब एक साल बाद साल 2008 में आयकर की रिपोर्ट के बाद ईओडब्ल्यू ने डॉ. शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था। 14 साल बाद 16 नवंबर 2022 को जांच अधिकारी टीआई अखिल सिंह ने खात्मा रिपोर्ट लगा दी। उस समय एसपी ईओडब्ल्यू राकेश सिंह थे। विशेष न्यायाधीश (ईओडब्ल्यू) राम प्रताप मिश्र ने डॉ. योगीराज शर्मा समेत 21 लोगों के मामले में ईओडब्ल्यू की खात्मा रिपोर्ट खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि शासन को नुकसान और अत्यधिक संपत्ति के आरोपों में स्वतंत्र साक्ष्य जुटाए बिना ही रिपोर्ट पेश कर दी गई। जांच में ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया, जिससे यह साबित हो सके कि अपराध घटित नहीं हुआ। कोर्ट ने दोबारा जांच के आदेश देते हुए चेक पीरियड तय करने, आय-व्यय के संबंध में साक्ष्य एकत्र कर गणना पत्रक तैयार करने और कमियों की स्वतंत्र जांच करने को कहा है। मामला एनआरएचएम योजना से जुड़ा है। वर्ष 2006 में केंद्र से 23.34 करोड़ रुपए की पहली किश्त जारी हुई थी। आरोप है कि योगीराज ने 20 अन्य के साथ मिलकर करीब 7 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार किया। सितंबर 2007 में आयकर छापे में 14.66 करोड़ की अघोषित आय का खुलासा हुआ। 1.13 करोड़ रुपए नकद और 5,475 अमेरिकी डॉलर, 2,110 यूएई दिरहम, 5,910 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर सहित अन्य विदेशी मुद्रा बरामद हुई। अन्य ठिकानों से 14 लाख रुपए भी जब्त हुए। 12 मार्च 2014 को लोकायुक्त ने 3800 पेज का चालान पेश किया था।

21 लोगों के नाम सामने आए थे

डॉ. योगीराज शर्मा, अशोक नंदा, बसंत शेल्के, सुनील अग्रवाल, जयपाल सचदेवा, राजेश जैन, योगेश पटेरिया, मधु शर्मा, प्रमोद शर्मा, अरुण शर्मा, मनीष व्यास, प्रोपराइटर नेताम इंडस्ट्रीज उमेश कजवे, सत्येंद्र साहू नेप्च्यून रेमेडीज, उमेश कजवे छत्तीसगढ़ फार्मा, अशोक गुप्ता आइडियल मेडिकल डॉक्यूमेंट एवं इलेक्ट्रिकल्स कंपनी, अशोक गुप्ता जयकिट्स उद्योग, रेडिएशन इमेश कम्यूनिकेशन, इमेज एंड सर्विसेज, योगेश पटेरिया ग्लोबल इंटरप्राइजेज, शार्प एंड सर्विसेज और मां जागेश्वरी पब्लिसिटी के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने खात्मा रिपोर्ट पेश की थी।

उच्च शिक्षित युवा भी दे रहे फिजिकल टेस्ट

पुलिस आरक्षक भर्ती में ग्रेजुएट पोस्टग्रेजुएट अभ्यर्थी शामिल

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया का दूसरा चरण शुरू हो गया है। लिखित परीक्षा के बाद अब शारीरिक प्रवीणता परीक्षा (पीईटी) सोमवार से प्रारंभ हो चुकी है। प्रदेश भर में इसके लिए 10 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें ग्वालियर का 14वीं बटालियन एसएएफ ग्राउंड भी शामिल है। इस केंद्र पर कुल 5600 अभ्यर्थियों को फिजिकल परीक्षा के लिए बुलाया गया है। इस दौरान जो खास बात देखने को मिली कि 12 पास आरक्षक पद के लिए ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और टेक्निकल साक्षरता का ज्ञान रखने वाले अभ्यर्थी भी पहुंच रहे हैं।

भर्ती प्रक्रिया के तहत प्रतिदिन 200 अभ्यर्थियों को बुलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, 23 फरवरी से शुरू हुई यह शारीरिक दक्षता परीक्षा 14 मार्च तक चलेगी। तिथि निर्धारित दूसरा मौका नहीं ग्वालियर रेंज के डीआईजी अमित सांघी ने बताया कि ग्वालियर केंद्र पर 5 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। सोमवार और आज 200-200 अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए बुलाया गया, जबकि इसके बाद प्रतिदिन 400 अभ्यर्थियों की शारीरिक प्रवीणता परीक्षा आयोजित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी अभ्यर्थी को निर्धारित तिथि और समय में कोई बदलाव या रियायत नहीं दी जाएगी। समय से चूकने पर दूसरा मौका नहीं मिलेगा।

फिजिकल परीक्षा में शामिल होने आसपास के अभ्यर्थी पहुंच रहे ग्वालियर

फिजिकल परीक्षा में शामिल होने के लिए न केवल ग्वालियर बल्कि आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंच रहे हैं। अशोकनगर से आए गिर्राज रघुवंशी अपनी बहन के साथ केंद्र पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनकी बहन लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर चुकी है और अब शारीरिक परीक्षा देने आई है। वह बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है। गिर्राज सुबह 5 बजे ही बहन के साथ ग्राउंड पहुंच गए थे और बाहर इंतजार करते नजर आए।

रेलवे-सड़क सहित अन्य अधोसंरचनात्मक कार्यों की नियमित समीक्षा होगी

भोपाल। मध्यप्रदेश में चल रहे रेलवे, सड़क सहित अन्य अधोसंरचना के बड़े प्रोजेक्ट की प्रतिमाह प्रगति की समीक्षा की जाएगी। मुख्य सचिव अनुराग जैन और भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय में सचिव समन्वयक मनोज कुमार गोविल ने मंत्रालय में संयुक्त रूप से पी.एम मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक में केंद्र के महत्वपूर्ण 11 प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय-सीमा अनुसार परियोजनाओं का क्रियान्वयन करें और पी.एम गति शक्ति पोर्टल पर प्रगति रिपोर्ट से नियमित अवगत कराएं। मुख्य सचिव जैन ने जबलपुर में प्रस्तावित 100 बिस्तरीय ई.एस.आई अस्पताल के लिए शीघ्र ही भूमि आवंटन के लिए आवेदन देने के श्रम विभाग को निर्देश दिए और कहा कि आवेदन प्राप्त होने के दो-तीन माह में भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए। इस दौरान इंदौर-बुधनी नई रेललाइन, रामगंज मंडी से भोपाल नई रेललाइन परियोजना, सतना-रीवा रेल्वेलाइन के दोहरी करण कार्य, इटारसी-नागपुर तीसरी रेल लाइन, रतलाम-महू-खंडवा अकोला गेज परिवर्तन कार्यों की गहन समीक्षा की गयी।

शिक्षकों के प्रमोशन का रास्ता साफ

वेतन वृद्धि के साथ एरियर भी मंजूर, अब तीन किस्तों में शिक्षकों को मिलेगी बकाया राशि

इंदौर, दोपहर मेट्रो

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में करियर एडवांसमेंट स्कीम (केस) के तहत शिक्षकों को बड़ी राहत मिली है। विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशालाओं में पदस्थ शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ दिया गया है, जिसमें आइएमएस, आइआइपीएस, आईईटी, ईएमआरसी और कम्प्यूटर साइंस सहित कई विभाग के शिक्षक शामिल हैं। पिछले डेढ़ साल में करीब दो दर्जन शिक्षकों का प्रमोशन हुआ है। इनमें लेक्चरार से रीडर, रीडर से एसोसिएट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर पद पर पदोन्नति शामिल है।

करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत शिक्षकों को सेवा अवधि, शोध कार्य और अन्य शैक्षणिक उपलब्धियों के आधार पर पदोन्नति दी जाती है। लंबे समय से लंबित मामलों के निपटारे के बाद अब कई शिक्षकों को इसका लाभ मिल पाया है। पदोन्नति के साथ वेतनमान में भी वृद्धि हुई है, जिसके चलते शिक्षकों को एरियर (बकाया राशि) देना तय हुआ है। इन पदोन्नतियों के कारण विश्वविद्यालय पर पांच से आठ करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ा है।

किस्तों में होगा एरियर का भुगतान

इतनी बड़ी राशि एक साथ देना विश्वविद्यालय के लिए चुनौती बन गया था। प्रशासन ने बीच का रास्ता निकाला है। अब शिक्षकों को पूरी राशि एकमुश्त देने के बजाय तीन किस्तों में भुगतान किया जाएगा। विश्वविद्यालय अधिकारियों के मुताबिक यह राशि डेढ़ से दो साल के भीतर चरणबद्ध तरीके से जारी की जाएगी। इस प्रस्ताव पर शिक्षकों ने भी सहमति जताई है। उनका कहना है कि किस्तों में भुगतान से विश्वविद्यालय पर अचानक आर्थिक दबाव नहीं पड़ेगा। प्रशासन का मानना है कि इस निर्णय से विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति संतुलित रहेगी।

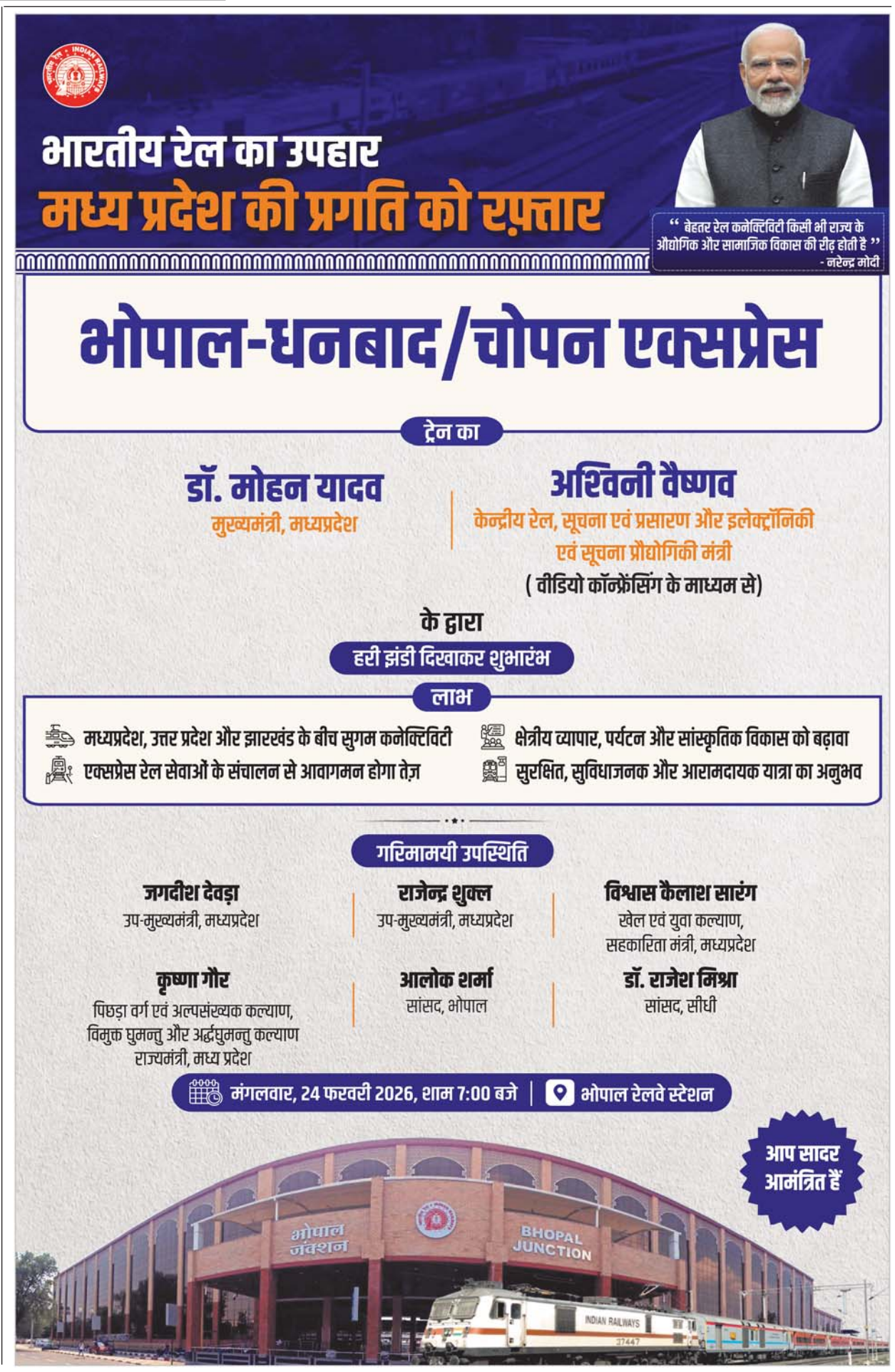

साजिश, सुरक्षा व संवाद

पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ नई-नई साजिशें रच रहा है और अपने यहां के खतरनाक अपराधियों को आतंक फैलाने के लिए भारत भेज रहा है। ये अपराधी गंभीर अपराधों में शामिल रहे हैं। इस चौंकाने वाले खुलासे ने एक बार फिर देश की सुरक्षा व्यवस्था और हमारी सतर्कता पर सोचने को मजबूर कर दिया है। रिटायर्ड आर्मी अफसर कर्नल राजिंदर कुमार शर्मा ने एक चर्चित पॉडकास्ट में बताया कि पाकिस्तान अपने अपराधियों को भारत भेजकर सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। इन लोगों को कुछ महीनों तक आतंकी गतिविधियां अंजाम देने के लिए कहा जाता है और बदले में उन्हें लग्जरी जीवन का लालच दिया जाता है। यह रणनीति न केवल अमानवीय है, बल्कि क्षेत्रीय शांति के लिए भी बड़ा खतरा है। ऐसे में जरूरी है कि भारत अपनी खुफिया व्यवस्था और सीमा सुरक्षा को और मजबूत करे। कर्नल शर्मा का अनुभव बताता है कि सतर्कता और समय पर मिली सूचना से बड़े खतरे टाले जा सकते हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में इन्फॉर्मर्स का मजबूत नेटवर्क बनाया, जिससे कई आतंकी साजिशों को नाकाम किया गया। यह दिखाता है कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों की भूमिका कितनी अहम होती है। साथ ही, उन्होंने यह भी चेताया कि आने वाले समय में चीन भारत के लिए एक बड़ी रणनीतिक चुनौती बन सकता है। इसका मतलब है कि भारत को केवल वर्तमान खतरों पर ही नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारियों पर भी ध्यान देना होगा। इस पूरे मुद्दे को आम लोगों तक पहुंचाने का काम किया है युवा पॉडकास्टर राज शमानी ने। उन्होंने न सिर्फ देश के ज्वलंत सुरक्षा मुद्दों पर बातचीत की, बल्कि दुनिया के बड़े नेताओं और उद्योगपतियों से संवाद कर युवाओं को सोचने और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति का इंटरव्यू लेकर उन्होंने यह दिखाया कि भारतीय युवा अब वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। राज शमानी की निजी यात्रा भी बेहद प्रेरक है। सीमित साधनों से शुरू हुआ उनका सफर आज करोड़ों लोगों तक पहुंच चुका है। उनके संघर्ष यह सिखाते हैं कि मेहनत, ईमानदारी और सही दिशा में प्रयास से कोई भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। यह संदेश खास तौर पर उन युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जो संसाधनों की कमी के कारण अपने सपनों को अधूरा छोड़ देते हैं। कुल मिलाकर, यह पूरा घटनाक्रम हमें दो अहम बातें सिखाता है। पहली, देश की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। दूसरी, सही संवाद और जागरूकता समाज को मजबूत बनाते हैं। जब सच्चाई सामने आती है और लोग उसे समझते हैं, तभी लोकतंत्र और राष्ट्र दोनों सुरक्षित रहते हैं।

उलटपंथियों के लिए समानता एक कंडीशन है, भारतीयों के लिए वह एक वैल्यू

मनोज श्रीवास्तव
चिंतक, विचारक

एक ओर वह दृष्टि है जो समानता को एक शर्त मानती है - दुनिया में परिणामों की एक मापनीय अवस्था, जिसे उत्पन्न करना, बनाए रखना और लागू करना होगा। दूसरी ओर वह दृष्टि है जो समानता को एक मूल्य मानती है - एक नैतिक प्रतिबद्धता जो यह निर्धारित करती है कि हम एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करें, जो हमारी संस्थाओं और हमारे आचरण को आकार दे, लेकिन जो मानव जीवन की विविधता को एकरसता में दबाने का दावा न करे। पहली दृष्टि, सामूहिकतावादी उलटपंथ की विशेषता है, और वह जबरदस्ती की ओर ले जाती है। दूसरी, एक गहरे मानववाद में निहित है, और वह गरिमा की ओर लेजाती है।

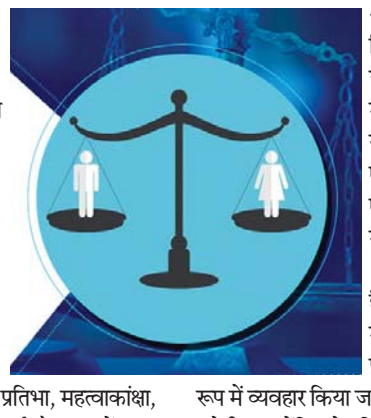

यदि समानता एक ऐसी अवस्था है जिसे उत्पन्न करना है, तो कोई उसे उत्पन्न करेगा। कोई वास्तविक दुनिया और 'समान दुनिया' के बीच की खाई को मापेगा, उस खाई के लिए जिम्मेदार ताकतों की पहचान करेगा, और उसे पाटने के लिए पर्याप्त शक्ति का प्रयोग करेगा। इससे तुरंत ही समानता की परियोजना एक नैतिक अभिमुखता से एक प्रबंधकीय कार्य में बदल जाती है। समाज एक ऐसी चीज बन जाता है जिसे प्रशासित किया जाना है। लोग एक समीकरण के चर (variable) बन जाते हैं। परिणाम लक्ष्य बन जाते हैं। यहीं से जबरदस्ती की तर्कणा प्रवेश करती है। क्योंकि लोग, अपनी स्वतंत्र पसंद पर छोड़ दिए जाएँ तो, अपने आप समान परिणाम उत्पन्न नहीं करेंगे – वे प्रतिभा, महत्वाकांक्षा, रुचि, परिस्थिति और भाग्य में भिन्न होते हैं – इसलिए शर्त-के-रूप-में-समानता की अभियांत्रिकी के लिए उन सभी भिन्नताओं को दरकिनार करना पड़ता है। इसके लिए पुनर्वितरण, थोपे गए प्रतिनिधित्व, अनिवार्य कोटा, विनियमित वाणी और अनुमोदित मानदंडों से किसी भी विचलन के संकेत के लिए व्यवहार की निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है। इस व्यवस्था को बनाए रखने के लिए राज्य को बड़ा और अधिक हस्तक्षेपकारी होना पड़ता है। इसमें एक गहरी विडंबना है। समानता-बतौर-शर्त की खोज, अपने व्यावहारिक अनुप्रयोग में, शक्ति की कट्टर असमानता उत्पन्न करती है – उन लोगों के बीच जो व्यवस्था का प्रशासन करते हैं और उन लोगों के बीच जिन पर वह प्रशासन होता है। एक नौकरशाही वर्ग साधारण लोगों के जीवन पर अपार अधिकार प्राप्त कर लेता है – और यह सब उन जीवनों को अधिक 'समान' बनाने के नाम पर।

बीसवीं सदी के जो भी महान अधिनायकवादी प्रयोग हैं – स्टालिन का रूस, माओ का चीन, पोल पॉट का कंबोडिया – अपनी आत्म-समझ में वर्चस्व की परियोजनाएँ नहीं थीं। वे समानता की परियोजनाएँ थीं। कुलकों के पास बहुत अधिक अनाज था। बुद्धिजीवियों के पास बहुत अधिक प्रतिष्ठा थी। बुर्जुआ के पास बहुत अधिक धन था। समानता की शर्त ने माँग की कि इन असमानताओं को समाप्त किया जाए – और वे समाप्त फिर भी न हुईं, करोड़ों मानव जीवन अवश्य समाप्त हो गये। यह विचार मान लेता है कि व्यक्तियों पर भरोसा नहीं किया जा सकता कि वे अपने जीवन को न्यायपूर्ण तरीके से व्यवस्थित करेंगे। यह नागरिक समाज की संस्थाओं – परिवारों, धार्मिक संगठनों, स्वैच्छिक संघों, बाजारों – को असमानता से भ्रष्ट मानता है जिन्हें निगरानी में रखा जाना या प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। समानता यदि एक मूल्य हो तो संपूर्ण परिदृश्य बदल जाता है। यह मानता है कि प्रत्येक मानव प्राणी, अपनी मानवता के कारण, एक अटूट गरिमा रखता है जिसे कोई पदानुक्रम, जन्म की कोई दुर्घटना, कोई सामाजिक परंपरा वैध रूप से नकार नहीं सकती। यह गरिमा अर्जित नहीं होती। इसे न तो खरीदा जा सकता है, न खोया जा सकता है। यह अंतर्निहित है। और यह माँग करती है कि हम एक-दूसरे के साथ एक बुनियादी सम्मान के साथ व्यवहार करें – कि हम लोगों का उपयोग केवल अपने उद्देश्यों के साधन के रूप में न करें, कि हम किसी को भी उनकी जाति, वर्ग, लिंग, या किसी अन्य विशेषता के आधार पर – जो उनके अपने चरित्र और चुनावों का मामला नहीं है – अदृश्यता या तिरस्कार में न डालें।

यह समानता का वह मूल्य है जिसने ज्ञानोदय के सर्वोत्तम तर्कों को प्रेरित किया, जिसने महान उदारवादी क्रांतियों को शक्ति दी, जिसने दास-प्रथा विरोधी आंदोलन को और अपने सर्वोत्तम क्षणों में नागरिक अधिकार आंदोलन को नैतिक बल दिया। जब मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने एक ऐसी दुनिया का सपना देखा जहाँ लोगों को उनकी त्वचा के रंग से नहीं बल्कि उनके चरित्र की सामग्री से आँका जाएगा, तब वे समानता को एक मूल्य के रूप में व्यक्त कर रहे थे – एक नैतिक मानदंड जो यह तय करता है कि हम एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करें, न कि एक मात्रात्मक लक्ष्य जिसे राज्य को प्रबंधित करना हो।

जब मैं कहता हूँ कि सभी मनुष्य गरिमा में समान हैं, तो मैं यह नहीं कह रहा कि वे क्षमता, रुचि या उपलब्धि में समान हैं। एक ऐसी दुनिया जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के साथ साधन के बजाय साध्य के रूप में व्यवहार किया जाता है, अनिवार्य रूप से विविध परिणाम उत्पन्न करेगी – क्योंकि लोग विविध हैं। कुछ कला में, कुछ वाणिज्य में, कुछ विज्ञान या खेल या परिवार पालन में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे। कुछ अधिक धन संचित करेंगे, कुछ अधिक ज्ञान, कुछ अधिक समुदाय। ये अंतर इस बात का प्रमाण नहीं हैं कि समानता के मूल्य का उल्लंघन हुआ है। वे इस बात का प्रमाण हैं कि यह काम कर रहा है – कि लोग अपने विकल्पों और क्षमताओं द्वारा संभव हुए जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हैं। समानता का मूल्य माँग करता है कि खेल के नियम निष्पक्ष हों, कि किसी को मनमाने ढंग से भागीदारी से बाहर न किया जाए, कि समाज की बुनियादी संस्थाएँ विशेष समूहों के खिलाफ हथियार न बनें, और कि जो लोग अपनी गलती के बिना पिछड़ जाते हैं उन्हें दुर्दशा में न छोड़ा जाए। यह कानून के समक्ष समान व्यवहार, अधिकारों की समान सुरक्षा और एक सभ्य जीवन की बुनियादी परिस्थितियों तक समान पहुँच की माँग करता है। ये छोटी माँगें नहीं हैं। इन्हें पूरा करने के लिए सतर्कता, नैतिक गंभीरता और वास्तविक राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। लेकिन तब ये माँगें सांख्यिकीय शक्ति के नाम पर नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा के नाम पर की जाती हैं।

समानता का यह दृष्टिकोण अंततः स्वतंत्रता का है। यह लोगों पर भरोसा करता है कि वे अपना जीवन स्वयं जिएँगे। यह यह नहीं मानता कि वे जीवन किस रूप में होने चाहिए, वे क्या परिणाम उत्पन्न करें, या पुरस्कारों का कौन सा वितरण ब्रह्मांडीय रूप से सही है। यह सीमाएँ निर्धारित करता है – आप दमन नहीं कर सकते, आप बिना औचित्य के बाहर नहीं कर सकते, आप किसी के मौलिक अधिकारों से इनकार नहीं कर सकते – और उन सीमाओं के भीतर लोगों को स्वतंत्र छोड़ देता है। लोग तब अपनी स्वतंत्रता से जो विविधता उत्पन्न करते हैं वह विफलता नहीं है। वह उद्देश्य है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

'वोक' संस्कृति, वैचारिक सबवर्शन और भारतीय समाज की परंपरा पर मंडराता खतरा

कैलाश चन्द्र
सामाजिक कार्यकर्ता

वर्तमान समय में भारतीय समाज एक ऐसे वैचारिक दौर से गुजर रहा है, जिसमें संस्कृति, परिवार, नैतिकता और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े प्रश्न नए रूप में सामने आ रहे हैं। भोपाल फिल्म फेस्टिवल को लेकर उठा विवाद किसी आयोजन की सामान्य नीति समीक्षा का विषय न होकर यह भारतीय समाज की वैचारिक दिशा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जिस आयोजन का सह-प्रस्तुतिकरण मध्यप्रदेश पर्यटन जैसे सरकारी संस्थान ने किया, वही मंच उन फिल्मों और व्यक्तियों को प्रदान करता दिखाई दिया, जो लंबे समय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विरोध में विचार अभियान चलाते रहे हैं। यह परिस्थिति संकेत देती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में एक सुनियोजित वैचारिक प्रवाह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक संरचनाओं को बदलना है।

पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (2022) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं। निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है।

वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं। किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (2022) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए।

भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है। मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है? क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है? क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक वर्ग अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां।

भारत को अपनी आत्मा के साथ आगे बढ़ना है। भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि समाज सजग, संगठित और वैचारिक रूप से स्पष्ट रहे। जब जनमानस अपने सांस्कृतिक दायित्व को समझेगा और जागृत चेतना के साथ आगे आएगा, तभी राष्ट्र अपनी मूल पहचान को सुरक्षित रखते हुए प्रगति की दिशा में संतुलित कदम बढ़ा सकेगा। यही सांस्कृतिक आत्मरक्षा का मार्ग है और यही भारतीय समाज की दीर्घकालिक स्थिरता की आधारशिला है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

विटामिन K का भी ध्यान रखना जरूरी , दिल को रखेगा हेल्दी , हड्डियां भी होंगी मजबूत

हमारे शरीर के कामकाज को ठीक बनाए रखने के लिए कई विटामिन्स की जरूरत होती है। अक्सर लोग विटामिन A, विटामिन B, विटामिन C और विटामिन D की बात करते हैं, लेकिन इन सबके अलावा एक और विटामिन सेहत के लिए बेहद जरूरी होता है। यह विटामिन K है, जिस पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। विटामिन K की कमी से सेहत के लिए कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह विटामिन हार्ट हेल्थ के लिए जरूरी होता है और इसकी कमी से हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन K फैट में घुलने वाला विटामिन है और यह शरीर में कई महत्वपूर्ण प्रोटीन को सक्रिय करने का काम करता है। खासतौर से यह खून के थक्के यानी ब्लड क्लॉट बनने की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाता है। जब शरीर में विटामिन के की कमी हो जाती है, तो मामूली चोट लगने पर भी ज्यादा ब्लीडिंग हो सकती है। बार-बार नाक से खून आना, मसूड़ों से खून बहना या शरीर पर बिना कारण नीले निशान पड़ना इसके प्रमुख संकेत हो सकते हैं।

विटामिन K हड्डियों की मजबूती के लिए भी बेहद जरूरी है। यह ऑस्टियोकैल्सिन नामक प्रोटीन के निर्माण में सहायता करता है, जो कैल्शियम को हड्डियों से जोड़ने का काम करता है। जब शरीर में विटामिन च की मात्रा कम हो जाती है, तो कैल्शियम का सही उपयोग नहीं हो पाता और हड्डियां धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं। इससे आगे चलकर ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी का खतरा बढ़ सकता है, जिसमें हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस में हल्के झटके या गिरने पर हड्डियों में फ्रैक्चर हो जाता है। दिल की सेहत बनाए रखने में भी विटामिन च महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह धमनियों में कैल्शियम को अनावश्यक रूप से जमा होने से रोकता है। अगर विटामिन K की कमी हो जाए, तो कैल्शियम धमनियों की दीवारों में जमा होकर उन्हें सख्त बना सकता है। इससे ब्लड फ्लो प्रभावित होता है और हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए विटामिन K को हार्ट की सुरक्षा से भी जोड़ा जाता है।

नवजात शिशुओं के लिए विटामिन के विशेष रूप से आवश्यक है। जन्म के समय शिशुओं के शरीर में इसका स्तर बहुत कम होता है और उनकी आंतों में ऐसे बैक्टीरिया विकसित नहीं हुए होते, जो विटामिन K का निर्माण कर सकें। इसी कारण कुछ बच्चों में हेमरेजिक डिजीज ऑफ द न्यूबॉर्न जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसमें आंतरिक ब्लीडिंग का खतरा रहता है। इस संभावित जोखिम से बचाने के लिए जन्म के तुरंत बाद नवजात को विटामिन K का इंजेक्शन दिया जाता है, ताकि उनके शरीर में इसकी पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित की जा सके।

सुविचार

दिल के साफ लोग, हर जगह से ठुकरा दिए जाते हैं पार्थ....
-अज्ञात

निशाना

सजा की शक्ल में...!

धर्मराज देशराज

हमारी ज़िन्दगी क्या ज़िन्दगी है
सज़ा की शक्ल में शायद मिली है।
हवाएं सुर्ख मौसम राहजन सा
चमन में आज सहमी हर कली है।
हमारे पास ग़म की दौलतें हैं
भला कैसे कहूँ कि मुफ़लिसी है।
कमी वो ज़ख्म की रहने नहीं दें
मेरे यारों की ये दरिया दिली है।
लिए नश्तर हबीबों बाद में आना
अभी ज़ख्मों पे मेरे ताज़गी है।
वो लिखकर नाम कागज़ चूमते हैं
मिरे अल्लाह क्या पाक़ीजगी है।
नज़र कमजोर बालों में सफेदी
'धरम' दिल में वही आवारगी है।

नॉलेज

भारत अब 'पैक्स सिलिका' अलायंस का सदस्य, तकनीक और उद्योग में बढ़ेगा सहयोग

भारत अब अमेरिका की अगुवाई वाले 'पैक्स सिलिका' अलायंस में औपचारिक रूप से शामिल हो गया है। AI इंपैक्ट समिट के दौरान दोनों देशों ने इस पहल से जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। दिसंबर 2025 में जब इस अलायंस की औपचारिक घोषणा हुई थी, तब भारत इसका हिस्सा नहीं था। अब इस रणनीतिक गठबंधन में शामिल होकर भारत तकनीक के क्षेत्र में अमेरिका के विश्वसनीय साझेदारों में शामिल हो गया है। इस कदम को AI, सेमीकंडक्टर और क्रिटिकल मिनिरल्स की सप्लाई चेन जैसे क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। कार्यक्रम में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर, अंडर सेक्रेटरी जैकब हेलबर्ग और केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित दोनों देशों के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। आइए, जानते हैं, क्या है पैक्स सलिका और इसका मकसद क्या है।

क्या है पैक्स सिलिका?: पैक्स सिलिका अमेरिकी सरकार का एक प्रमुख रणनीतिक फ्रेमवर्क है। इसके तहत अमेरिका अपने विश्वसनीय साझेदार देशों के साथ तकनीक और औद्योगिक इकोसिस्टम का साझा नेटवर्क विकसित कर रहा है। इसे वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग सप्लाई चेन पर चीन के प्रभुत्व को चुनौती देने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य AI और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद ग्लोबल सप्लाई चेन तैयार करना है। तकनीकी विकास के लिए आवश्यक क्रिटिकल मिनरल्स की लगातार आपूर्ति इस रणनीति का अहम हिस्सा है। दिसंबर में बने इस समूह में जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और इस्राइल सहित कई देश शामिल हैं। अब भारत के औपचारिक रूप से जुड़ने के बाद इसकी रणनीतिक अहमियत और बढ़ गई है। यह गठबंधन पूरी चिप निर्माण प्रक्रिया को सुरक्षित करने के लिए बनाया गया है। यानी खदानों से निकलने वाले जरूरी खनिजों से लेकर चिप बनाने वाली फैक्ट्रियों तक और उन डेटा सेंटर्स तक, जहां अडवांस AI चलाया जाता है- हर स्तर पर सुरक्षा और भरोसेमंद सप्लाई सुनिश्चित करना इसका उद्देश्य है। भारत ऐसे समय इस पहल में शामिल हुआ है जब हाल के महीनों में भारत-अमेरिका संबंधों में ट्रेड डील और अन्य वैश्विक मुद्दों को लेकर कुछ असहजता देखी गई थी। हालांकि हाल ही में दोनों देशों के बीच एक अंतरिम समझौते पर सहमति बनी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से द्विपक्षीय सहयोग, खासकर इमरजिंग टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में, और गहरा होगा। चीन के दबदबे को संतुलित करने की रणनीति में भारत की भूमिका मजबूत होगी।

अजब - गजब

इकलौती जनजाति, जिसके पास नहीं है 'समय' का कोई ज्ञान, जिंदगी में कई बार बदलते हैं नाम

हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां हर सेकंड की कीमत है। घड़ी की सुइयां हमारे उठने, सोने और काम करने का फैसला करती हैं। लेकिन अमेजन के घने जंगलों में रहने वाली अमुंदावा जनजाति के लिए समय का कोई मोल नहीं है, क्योंकि उनकी डिक्शनरी में 'समय' शब्द ही नहीं है। आपको सुनकर ताज्जुब होगा, लेकिन बता दें कि ब्राजील के अमेजन वर्षावनों में रहने वाली इस जनजाति ने आधुनिक सभ्यता के सबसे बुनियादी आधार यानी 'समय' को ही नकार दिया है। यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ के शोधकर्ताओं ने जब इस जनजाति पर गहराई से रिसर्च की, तो वे यह जानकर दंग रह गए कि अमुंदावा भाषा में समय, सप्ताह, महीने या साल जैसे शब्दों के लिए कोई अनुवाद मौजूद ही नहीं है। इनके लिए बस सूरज का उगना और डूबना ही काफी है। ये लोग पूरी तरह से आज में जीते हैं और इन्हें कल की कोई परवाह नहीं होती।

लैंग्वेज एंड कॉग्निशन में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, अगर आप किसी अमुंदावा से पूछेंगे कि वह कितने साल का है, तो उसके पास इसका कोई जवाब नहीं होगा। यहां उम्र को नंबरों में नहीं नापा जाता, बल्कि पहचान से जोड़ा जाता है। साल 2011 में बीबीसी ने इस पर रिपोर्ट पब्लिश की थी। ये भी अन्य लोगों की तरह ही घटनाओं और घटनाओं के क्रम के बारे में बात कर सकते हैं। लेकिन उनके पास समय की ऐसी कोई अवधारणा नहीं है, जिसमें घटनाएं घटित होती हों।

बर्थ डे और उम्र का मतलब नहीं: जब पहली बार बाहरी दुनिया के लोगों ने इनसे संपर्क किया, तो वे इन्हें समझा ही नहीं पाए कि 'बर्थडे' या 'उम्र' क्या होती है। इनके यहां न तो कोई काम करने की डेडलाइन होती है और न ही कहीं पहुंचने की जल्दबाजी। शायद यही वजह है कि ये लोग आधुनिक दुनिया के लोगों से कहीं ज्यादा शांत और खुश रहते हैं। अब जब यह जनजाति धीरे-धीरे बाहरी दुनिया और तकनीक के संपर्क में आ रही है, तो उनके सामने अजीब मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। जब सरकार इनके आईडी कार्ड या पासपोर्ट बनाने की कोशिश करती है, तो जन्म की तारीख लिखना नामुमकिन हो जाता है। इन्हें अब पुर्तगाली भाषा सिखाई जा रही है, ताकि ये दुनिया के साथ चल सकें। लेकिन इसके साथ ही डर यह भी है कि कहीं इनकी यह अनोखी और सुकून भरी संस्कृति खत्म न हो जाए। इनके पास घड़ी तो नहीं है, लेकिन ये कुदरत के इशारों को हमसे बेहतर समझते हैं।

खान-पान और शिकार : अगर खाने-पीने की बात करें, तो अमुंदावा पूरी तरह से जंगल पर निर्भर हैं। ये बहुत ही कुशल शिकारी होते हैं। ये लोग तीर-धनुष का इस्तेमाल करके छोटे जानवरों और पक्षियों का शिकार करते हैं। इसके अलावा अमेजन की नदियों से मछली पकड़ना इनके भोजन का एक मुख्य हिस्सा है। ये लोग जंगली फल, कंद-मूल और शहद भी इकट्ठा करते हैं। दिलचस्प

हाईकोर्ट की खंडपीठ में धार भोजशाला को लेकर हुई सुनवाई, आपत्ति और सुझाव के लिए 2 सप्ताह का समय

एएसआई रिपोर्ट पर आपत्तियों के बाद अब 16 मार्च को होगी अहम सुनवाई

धार। दोपहर मेट्रो

धार स्थित भोजशाला परिसर से जुड़े बहुचर्चित संवैधानिक विवाद में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सभी पक्षों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की वैज्ञानिक सर्वे रिपोर्ट पर दो सप्ताह के भीतर अपनी लिखित आपत्तियां, सुझाव और सिफारिशें दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को निर्धारित की गई है, जहां अदालत सभी पक्षों के जवाबों पर विचार कर आगे की कानूनी प्रक्रिया तय करेगी।

सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि एएसआई की रिपोर्ट पहले ही खोली जा

चुकी है और उसकी प्रतियां याचिकाकर्ताओं को उपलब्ध करा दी गई हैं। ऐसे में रिपोर्ट को दोबारा कोर्ट में अनसील करने की आवश्यकता नहीं है। खंडपीठ ने कहा कि 98 दिनों तक चली एएसआई की वैज्ञानिक जांच से तैयार रिपोर्ट पर सभी पक्ष अपनी आपत्तियां और सुझाव समयसीमा में प्रस्तुत करें। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से अधिवक्ता विनय जोशी ने कहा कि अदालत के निर्देशानुसार दो सप्ताह के भीतर एएसआई रिपोर्ट पर विस्तृत आपत्तियां और सुझाव दाखिल किए जाएंगे। अब 16 मार्च को होने वाली सुनवाई में प्रस्तुत जवाबों पर विस्तृत बहस की संभावना है, जिसके आधार पर अदालत आगे की दिशा तय कर सकती है। 22 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच को तीन सप्ताह के भीतर सुनवाई आगे बढ़ाने के निर्देश दिए थे। इससे पहले सर्वे के बाद की कानूनी प्रक्रिया पर अस्थायी रोक लगी हुई थी, जो अब हट चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद मामले की सुनवाई में तेजी आई है।

इंदौर से जबलपुर और फिर वापसी

यह प्रकरण पहले इंदौर खंडपीठ से जबलपुर प्रिंसिपल बेंच ट्रांसफर किया गया था। 18 फरवरी को चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के बाद मामला पुनः इंदौर खंडपीठ को सौंप दिया।

पूजा बनाम नमाज

मामला पूजा के अधिकार बनाम नमाज की अनुमति से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि 1010 से 1055 ईस्वी के बीच राजा भोज द्वारा निर्मित भोजशाला मूलतः देवी वाग्देवी सरस्वती का मंदिर और संस्कृत शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। यहां वेद, शास्त्र, ज्योतिष और खगोल जैसे विषयों की शिक्षा दी जाती थी। याचिका में यह भी कहा गया है कि बाद के मुस्लिम शासकों द्वारा परिसर को क्षति पहुंचाने के बावजूद इसकी मूल धार्मिक पहचान नहीं बदली और हिंदू श्रद्धालु पूजा करते रहे। ब्रिटिश काल में इसे कमाल मौला मस्जिद के रूप में प्रचारित करने के दावे को भी याचिका में तथ्यों के विपरीत बताया गया है। याचिका में संपूर्ण परिसर हिंदुओं को सौंपने, नियमित पूजा की अनुमति देने, सरस्वती माता (वाग्देवी) की प्रतिमा स्थापित करने तथा परिसर में नमाज पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।

सिरोंज तहसील के ग्राम दीकनाखेड़ा और गोपाल नगर के बीच का मामला

शिकार के बाद खेत में फेंका हिरण का सिर और अवशेष, अज्ञात पर प्रकरण दर्ज

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

दीपनाखेड़ा थाने के ग्राम दीकनाखेड़ा और गोपाल नगर के बीच एक खेत में काले हिरण का कटा सिर और अवशेष मिलने से सनसनी फैल गई। मुख्य सड़क से कुछ दूरी पर स्थित दीनदयाल शर्मा के खेत में हिरण के अवशेष दिखाई दिए तो ग्रामीणों ने वन विभाग और पुलिस को जानकारी दी। मौके पर वन विभाग की टीम भी पहुंची और अवशेष को एकत्रित किया। रेंजर बृज मीणा ने बताया कि आमतौर पर हिरणों के समूह का नेतृत्व काले हिरण ही करता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह नर हिरण कुछ दिनों से अकेला ही आसपास के क्षेत्र में घूम रहा था। संभवतः ये वही है और अज्ञात लोग शिकार कर उसके अवशेष खेत में फेंक कर भाग गए हैं। मामले में अज्ञात व्यक्तियों पर प्रकरण कायम कर प्रमुख सड़कों और दुकानों पर लगे सीसी टीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

अक्टूबर के महीने में भी हुआ था हिरण का शिकार

गोपाल नगर क्षेत्र में बीते चार महीनों में हिरण के शिकार का यह दूसरा मामला सामने आया है। अक्टूबर के महीने में भी गांव एक खेत में थैले में हिरण के अवशेष मिले थे। 13 अक्टूबर को ये अवशेष मिले थे। उस दिन भी सोमवार ही था। इस मामले के आरोपियों की 4 महीने बाद पहचान नहीं हो सकी है।

काले हिरणों के शिकार का मामला

लापरवाही बरतने पर रेंजर समेत छह वनकर्मी सस्पेंड

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले की सिवनी मालवा रेंज में दो काले हिरणों के शिकार के मामले में रेंजर समेत छह वनकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। लापरवाही बरतने और सबूत नष्ट करने के आरोप में सोमवार देर रात निलंबन के आदेश जारी किए गए।21 जनवरी को शिवपुर क्षेत्र में दो काले हिरण मिले थे। एक जीवित (पैर बंधे हुए) और दूसरा मृत। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों से साफ हुआ कि शिकारियों ने हिरणों को पकड़कर ले जा रहे थे। लेकिन रेंजर आशीष रावत और वनकर्मियों ने इसे प्राकृतिक मौत बताकर छिपाने की कोशिश की। जांच में महत्वपूर्ण जैविक नमूने नष्ट करने और अपराध की गंभीर धाराओं को शामिल न करने की पुष्टि हुई। निलंबित कर्मियों में रेंजर आशीष रावत, वनपाल महेश गौर, वनरक्षक मनीष गौर, रूपक झा, ब्रजेश पगारे और पवन उइके शामिल हैं। मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) अशोक कुमार चौहान ने कहा कि प्राथमिक जांच में वनकर्मियों द्वारा मामले के वास्तविक स्वरूप को छिपाने और गंभीर लापरवाही के तथ्य सामने आए हैं।

कारोबारी को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिली धमकी, 10 करोड़ फिरौती मांगी

सतना। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सतना जिले के शिवराजपुर में रहने वाले प्रदेश के बड़े कारोबारी रुद्र त्रिपाठी को लॉरेंस विश्नोई गैंग से धमकी मिली है। धमकी देने वाले शख्स ने त्रिपाठी से 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस विश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए कहा- 10 करोड़ रुपए दो, वरना मरने के लिए तैयार रहना। साथ ही कहा- चाहे ये कॉल रिकॉर्ड करके पुलिस को दे सकते हैं। धमकी मिलने के बाद रुद्र ने मुंबई शहर के थाणे के नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में मामले की एफआइआर दर्ज कराई है। नौपाड़ा पुलिस के अनुसार, बिल्डर रुद्र त्रिपाठी से 10 करोड़ की उगाही की कोशिश का अपराध दर्ज किया गया है। फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है। 60 वर्षीय रुद्र त्रिपाठी की ओर से दर्ज कराई गई एफआइआर में बताया गया कि, उन्हें 11 फरवरी को वाट्सएप पर कॉल आई थी। इस दौरान वे धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने मध्य प्रदेश के अपने गृह ग्राम शिवराजपुर आए थे। इस दौरान वाट्सएप पर कई कॉल आई। कॉल पर उन्हें 10 करोड़ रुपए देने के लिए कहा गया। धमकी देने वालों ने ऐसा न करने पर उन्हें मरने के लिए तैयार रहने तक को कहा। फोन करने वाले शख्स ने खुद को बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया था। अज्ञात शख्स ने बिल्डर से यह भी कहा कि वह कॉल को रिकॉर्ड करने और पुलिस को सौंपने के लिए आजाद है।

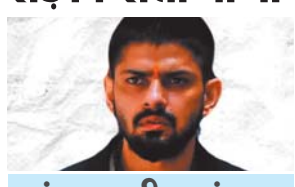

अंतरराष्ट्रीय नंबर से आया कॉल

थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, 20 फरवरी को भी बिल्डर रुद्र अपने कार्यालय में थे। इस दौरान एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से चार वाट्सएप कॉल आई। जब उन्होंने कॉल का जवाब नहीं दिया, तो संदिग्ध ने दोपहर 12:29 बजे उनके मोबाइल फोन पर एक ऑडियो क्लिप भेजा, जिसमें जान से मारने की धमकियां थीं।

शिकायत के आधार पर केस दर्ज

कारोबारी रुद्र त्रिपाठी ने बताया कि, मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। एफआइआर दर्ज कर ली गई है। वहीं, वरिष्ठ निरीक्षक नौपाड़ा पुलिस स्टेशन अभय चंद्रनाथ महाजन का कहना है कि, व्यवसायी की शिकायत, वाट्सएप कॉल और ऑडियो क्लिप के आधार पर 20 फरवरी को जबरन वसूली और अन्य अपराधों के लिए एफआइआर दर्ज की गई है। प्रकरण की जांच की जा रही है अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

लोन दिलाने के नाम पर तीन लाख रुपए की ठगी, कर्ज से परेशान होकर की आत्महत्या

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के बालागंज इलाके ठगी का शिकार हुए शख्स द्वारा आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आई है। यहां 27 वर्षीय युवक शैलेंद्र जाटव ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। एम्स भोपाल में उपचार के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक महिला ने 15 लाख रुपए लोन दिलाने के नाम पर युवक से 3 लाख रुपए की ठगी की थी, जिसके चलते वो खासा मानसिक तनाव में था।

मृतक के चाचा दुलारे जाटव का कहना है कि, शैलेंद्र पुष्पक लॉज के सामने बैग की दुकान पर काम करता था। शनिवार रात को उसे नर्मदा किनारे काले महादेव मंदिर के पास बीमार हालत में मिला। डॉक्टरों ने जहर पीने की पुष्टि की। गंभीर हालत में उसे भोपाल के एम्स ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि, एक महिला ने लोन दिलाने के बहाने 3 लाख रुपए लिए थे। ये पैसे शैलेंद्र ने कुछ लोगों से उधार लेकर दिए थे। बाद में कर्जदारों ने उसपर उधारी लौटाने का दबाव बनाना शुरु कर दिया, इससे वो काफी तनाव में था। परिजन उसकी हत्या की भी आशंका जता रहे हैं और कह रहे हैं कि जांच में पता लगे कि जहर खुद पिया या पिलाया गया। पोस्टमार्टम के बाद आक्रोशित परिजन शव लेकर सीधे नर्मदापुरम कोतवाली थाने पहुंच गए। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की।

श्रमदान अभियान 5.0 का बीसवां चरण संपन्न, रिपटा घाट की चिंताजनक तस्वीर

बेतवा नदी किनारे बाल और मेडिकल कचरे का ढेर, संवेदनहीनता पर उठ रहे सवाल

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के अंतर्गत बीसवां चरण रिपटा घाट पर आयोजित किया गया। निरंतर चल रहे इस स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान के तहत श्रमदान दल के सदस्यों ने नदी किनारे फैली गंदगी एकत्रित कर स्वच्छता का संदेश दिया, लेकिन इस बार घाट पर जो स्थिति देखने को मिली, उसने समाज की संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए। बेतवा नदी के रिपटा घाट क्षेत्र में निर्धारित स्थान होने के बावजूद बड़ी मात्रा में मुंडन संस्कार के बाल इधर-उधर बिखरे मिले। श्रमदान दल के सदस्य एवं भारतीय रेल कर्मचारी मुकेश अहिरवार ने कहा कि नियमों की अनदेखी कर गंदगी फैलाना कोई साहसिक कार्य नहीं, बल्कि सामाजिक गैर-जिम्मेदारी है। विशेषज्ञों के अनुसार बाल जल में सड़कर दुर्गंध, जल गुणवत्ता में गिरावट और सूक्ष्म जीवों के असंतुलन का कारण बनते हैं। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब घाट किनारे मेडिकल एवं सर्जिकल कचरे का बड़ा ढेर मिला। उपयोग की गई

और एक्सपायर रैपिड डायग्नोस्टिक किट, मेडिकल पैकेजिंग सहित अन्य जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट खुले में पड़े पाए गए। जानकारों का कहना है कि इस प्रकार का कचरा संक्रमण फैलाने, जल को विषाक्त करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है। यह पर्यावरणीय नियमों का खुला उल्लंघन है।

श्रमदान दल के सदस्य नितिन अग्रवाल ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस नदी को समाज 'माँ' कहकर पूजता है, उसी की गोद में मेडिकल कचरा फेंकना अमानवीयता की पराकाष्ठा है। यह अज्ञानता नहीं, बल्कि संवेदनहीनता का उदाहरण है। दल ने समाज से सवाल किया है कि क्या नदी केवल श्रमदानियों के भरोसे साफ रहेगी। क्या निर्धारित स्थान होने के बावजूद नियमों की अनदेखी उचित है। क्या हम अपनी सुविधा के लिए आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य से समझौता कर रहे हैं।

श्रमदान दल ने नगरवासियों से अपील की है कि मुंडन सामग्री निर्धारित स्थान पर ही एकत्रित करें, मेडिकल व सर्जिकल कचरे का वैज्ञानिक तरीके से सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित करें तथा नदी को कचरा पात्र समझने की मानसिकता त्यागें। दल का स्पष्ट कहना है कि नदी की स्वच्छता केवल अभियान नहीं, सामूहिक जिम्मेदारी है।

भाजपा की जिला कार्यशाला संपन्न

अनुशासन और कार्यकर्ताओं की निष्ठा से भाजपा सबसे बड़ा संगठन बनी-कांतदेव सिंह

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 के तहत जिला कार्यालय में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।कार्यशाला की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण व वंदे मातरम से हुई। मंच पर प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, सांसद दर्शनसिंह चौधरी, जिला प्रभारी अलकेश आर्य, जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, संभागीय प्रभारी भरत सिंह राजपूत, जिला महामंत्री मुकेश चंद्र मैना सहित जयकिशोर चौधरी, राजेश गौर, सुरेश पटेल, नीना नागपाल, ज्योति चौरे और कुंवर सिंह यादव उपस्थित रहे। कार्यशाला में प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि निरंतर प्रशिक्षण, अनुशासन और कार्यकर्ताओं की निष्ठा से भाजपा विश्व का सबसे बड़ा संगठन बनी है। उन्होंने मंडल से बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को आवश्यक बताया, ताकि विचारधारा व सरकार की उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचें। वहीं जिला प्रभारी अलकेश आर्य ने मंडल स्तरीय कार्यशालाओं की योजना पर चर्चा की, जिसमें व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का उद्देश्य शामिल है। विषयों में पार्टी इतिहास, बूथ प्रबंधन, शासन योजनाएं, मन की बात और सोशल मीडिया पर प्रशिक्षण होगा।जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने अभियान के उद्देश्यों पर मार्गदर्शन दिया, कहा कि भाजपा विचार आधारित पार्टी है जो लोक कल्याण के लिए समर्पित है। संभागीय प्रभारी भरत सिंह राजपूत ने 11 मार्च से 14 अप्रैल तक अभियान चलाने और समितियों गठन की जानकारी दी। सुरेश पटेल ने नवाचार, जयकिशोर चौधरी ने पंच परिवर्तन पर बोले, जबकि सोशल मीडिया प्रेजेंटेशन गजेन्द्र चौहान, राहुल ठाकुर और राहुल पटवा ने दिया।कार्यशाला में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, मोर्चा अध्यक्ष व वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुए। संचालन मुकेश चंद्र मैना और आभार नीना नागपाल ने किया।

मेट्रो एंकर — भरत-भाव के संग प्राण-प्रतिष्ठा, पांच कुंडीय यज्ञ में गूंजी राम-नाम की आहुतियां

संत सम्मान से सुरक्षित रहती है परंपरा: महंत राम मनोहर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

जो समाज संतों का आदर करता है, वही अपनी परंपरा को सुरक्षित रख पाता है। यह उद्गार सनकादिक आश्रम में चल रही नवदिवसीय भरत चरित्र कथा के पांचवें दिवस नौलखी आश्रम के महंत राम मनोहर दास महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि रघुवंश की परंपरा मर्यादा, सेवा और संत-सम्मान से जुड़ी रही है। इसी पुण्य परंपरा के कारण परमात्मा ने रघुवंश को अवतार-भूमि चुना, जहां भगवान राम और भरत जैसे आदर्शों का जन्म हुआ।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्ता का वैभव नहीं, बल्कि चरित्र की शुचिता ही समाज की पहचान बनाती है। संत और ब्राह्मणों का अपमान करने वाला अंततः समूल नष्ट होता है, जिसका उदाहरण रावण के रूप में सामने है। अपार शक्ति और ऐश्वर्य के बावजूद संत-सम्मान के अभाव में लंका का वंश विनाश को प्राप्त हुआ। कथावाचन के दौरान रघुवंश के राजाओं की

त्याग-परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया गया कि इस वंश ने राजधर्म को विलास नहीं, बल्कि व्रत के रूप में जिया। भरत ने सत्ता का अवसर मिलने पर भी उसे अस्वीकार कर मर्यादा का वरण किया। उनका त्याग पलायन नहीं, बल्कि लोककल्याण के लिए लिया गया विवेकपूर्ण निर्णय था। महाराजश्री ने कहा कि रघुवंश का इतिहास त्याग, साधना, बलिदान और मर्यादा की गौरवशाली परंपरा है, जहां सत्ता-सुख नहीं, लोकहित सर्वोपरि रहा। भरत इस आदर्श के प्रतिनिधि हैं, जिन्होंने अधिकार से अधिक आदर्श को चुना।

प्राण-प्रतिष्ठा ने भक्ति को कर्म में बदला

भरत-चरित्र कथा के मध्य स्वयं पाखी महाराज के आश्रम में सीताराम भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह ने पूरे क्षेत्र को भक्ति के सूत्र में बांध दिया। पांच कुंडीय महायज्ञ में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे यजमानों ने राम-नाम की आहुतियां अर्पित कीं। यज्ञ के आचार्य पंडित केशव शास्त्री के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां दी गईं। गंजबासौदा, भोपाल और विदिशा सहित हरियाणा, गुजरात व राजस्थान से आए श्रद्धालुओं की सहभागिता ने आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।आचार्य के अनुसार, पांच दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ में एक लाख साठ हजार से अधिक राम-नाम की आहुतियां दी जाएंगी। यजमानों ने बताया कि कथा में वर्णित भरत के विनय, त्याग और अधिकार-विमुख भाव से प्रेरित होकर उन्होंने अहंकार और आग्रह का त्याग करने का संकल्प लिया, जिसे यज्ञ में आहुति के रूप में समर्पित किया गया।

निर्माण कार्य में की गई अनदेखी से 100 गांवों की जलापूर्ति ठप

पानी की मेन पाइपलाइन फूटी, हाईटेंशन लाइन तक पहुंची बौछारें

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय पर जालपा माता मंदिर के पास स्थित मुख्य जल टैंक से जुड़ी जल निगम की मैन पाइपलाइन सोमवार रात को निर्माण कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के चलते करीब 100 गांवों में मंगलवार को पेयजल आपूर्ति बाधित हुई है। खास बात ये है कि, लाइन फूटने के बाद देर रात तक पानी बंद न किये जाने के चलते हजारों लीटर पानी सड़कों पर बहता रहा।

घटना कलेक्ट्रेट रोड के सामने आकाशवाणी केंद्र के पास की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम करीब सात बजे खिलचीपुर रोड पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान जेसीबी मशीन की खुदाई में मेन पाइपलाइन आ गई। जेसीबी का पंजा पाइपलाइन से टकराते ही तेज दबाव के साथ पानी का फव्वारा कई फीट ऊंचाई तक उठने लगा। प्रेशर इतना अधिक था कि, पानी ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन और पोल तक पहुंच गया। क्षतिग्रस्त पाइपलाइन के समीप ही ट्रांसफॉर्मर लगा होने से बड़े हादसे की आशंका खड़ी हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना दी। विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर एहतियातन संबंधित लाइन की बिजली सप्लाई बंद कर दी, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई।

देर रात तक बहता रहा पानी

पाइपलाइन से देर रात तक पानी बहता रहा। सड़क पर जलभराव की स्थिति बन गई और बड़ी मात्रा में पेय-जल व्यर्थ बह गया। निर्माण कार्य के दौरान बरती गई सतर्कता पर भी स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए। जल निगम के उप-प्रबंधक सचिन दांगी ने बताया कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य जारी है। लाइन दुरुस्त करने में लगभग 24 घंटे का समय लग सकता है। इस कारण मेन लाइन से जुड़े लगभग 100 गांवों में आज नल से जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विभाग ने नागरिकों से आवश्यकतानुसार सीमित जल उपयोग की अपील की है।

न्यूज विंडो

रेत लोड ट्रैक्टर से खतरनाक स्टंट वायरल वीडियो से खुली पोल

शहडोल। जिले में अवैध रेत उत्खनन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार मुद्दा केवल रेत माफियाओं की दबंगई नहीं, बल्कि प्रशासनिक निगरानी और कार्रवाई की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े कर रहा है। जैतपुर थाना क्षेत्र की कुनुक नदी से रेत भरे ट्रैक्टर के साथ खतरनाक स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि रेत से लोड ट्रैक्टर का अगला हिस्सा हवा में उठाकर स्टंट किया जा रहा है। ट्रैक्टर में चालक के अलावा अन्य लोग भी बैठे नजर आ रहे हैं। यह न केवल यातायात नियमों की अनदेखी है, बल्कि नदी क्षेत्र में सुरक्षा मानकों और खनिज नियमों का भी खुला उल्लंघन प्रतीत होता है। थाना प्रभारी जेपी शर्मा का कहना है कि चालक की तस्दीक करा ली गई है, युवक फरार हो गया है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस का यह भी कहना है कि जिस युवक का स्टंट का वीडियो वायरल हो रहा है उसके खिलाफ पूर्व में इस तरह की स्टंटबाजी पर कार्रवाई की गई है, साथ ही रेत परिवहन का मामला भी दर्ज है। इसी प्रकार सोहागपुर व बुढ़ार थाना क्षेत्र के सरफा नदी से रेत का अवैध उत्खनन का मामला सामने आया है। यहां से दिन दहाड़े हाइवे पुल के नीचे से ट्रैक्टर के माध्यम से रेत लोड करते देखा जा रहा है। कुछ राहगीरों ने रेत उत्खन्न का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल किया है। जानकारी के अनुसार यह क्षेत्र दो थानों की सीमा क्षेत्र में होने के कारण यहां की निगरानी नहीं होती, पुलिस की गठजोड़ से रेत करोबारी बेखौफ होकर रेत का उत्खनन व परिवहन करते हैं। इसक जानकारी संबंधित विभाग सहित पुलिस को भी रहती है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति की जाती है।

दूषित पानी जमा होने से परेशान रहवासियों ने किया विरोध-प्रदर्शन

कटनी। वार्ड क्रमांक16 स्थित जागृति कॉलोनी में दूषित पानी जमा होने से निवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महीनों से सड़कों पर जमा यह पानी घरों के सामने तक पहुंच गया है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है और गंभीर बीमारियों के साथ किसी बड़ी दुर्घटना का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय निवासियों ने इस समस्या के विरोध में नगर निगम प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर तत्काल जल निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है।

तालाब की जमीन पर कब्जे का मामला: रीवा-सीधी हाईवे पर लगाया जाम

हाईकोर्ट के आदेश पर अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर पथराव, अफसरों ने छिपकर बचाई जान

रीवा। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के रीवा जिला के गुढ़ क्षेत्र के पुरास गांव में तालाब की भूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम को ग्रामीणों के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा। स्थिति उस समय बेकाबू हो गई जब कुछ महिलाओं और स्थानीय लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी और डंडे लेकर अधिकारियों को खदेड़ने लगे।

ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए नायब तहसीलदार महिमा पाठक सहित अन्य अधिकारियों को पंचायत भवन में शरण लेकर खुद को सुरक्षित करना पड़ा। पुलिस बल कम होने के कारण हालात बिगड़े। बाद में 2 अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचने पर स्थिति नियंत्रित की जा सकी, लेकिन 2 कार्रवाई बीच में ही रोकनी पड़ीं। पुरास गांव के तालाब की मेढ़ पर वर्षों से 14 लोगों ने कब्जा जमा रखा है। प्रशासन द्वारा पूर्व में भी अतिक्रमण हटाने के प्रयास किए गए थे, लेकिन हर बार सामूहिक विरोध के कारण कार्रवाई अधूरी रह गई। इस बीच मामला हाईकोर्ट पहुंचा, जहां से तालाब की शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के निर्देश दिए गए। न्यायालय के आदेश के पालन में प्रशासनिक अमला राजस्व और पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचा था। कार्रवाई से पहले अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश दी और उनसे सहमति लेने का भी प्रयास किया था। कुछ लोग शुरुआत में विरोध दर्ज करा रहे थे लेकिन बाद में कब्जा हटाने को तैयार हो गए थे। जब अधिकारियों की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची तो लोगों ने विरोध शुरू कर दिया, जिसकी वजह से तनाव की स्थिति निर्मित हो गई थी।

महिलाएं भी डंडे लेकर दौड़ पड़ीं

अतिक्रमणकारियों से जुड़ी कुछ महिलाएं डंडे लेकर शुरुआत से ही हमलावर थीं। पहले नायब तहसीलदार महिमा पाठक, पुरास हल्का पटवारी चंद्रदेव पांडेय सहित अन्य अधिकारी समझाइश देने का प्रयास कर रहे थे लेकिन उनकी बातों को सुनने के बजाए शुरुआत से ही वह कार्रवाई का विरोध करने पर उतारू थे। जैसे ही कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हुई पत्थरबाजी शुरू कर दी गई और गाली-गलौज करते हुए अधिकारियों को दौड़ा लिया। तालाब की मेढ़ पर ही पंचायत भवन में पहुंचकर अधिकारियों ने खुद को बंद कर लिया। मौके पर पुलिस बल था लेकिन संख्या पर्याप्त नहीं होने से प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने में समय लग गया।

विस्थापन की मांग पर अड़े

प्रदर्शन करने वाले लगातार मांग उठा रहे थे कि उन पर कार्रवाई से पहले विस्थापन की व्यवस्था की जाए। प्रशासन किसी दूसरी जगह पर उन्हें मकान बनाने के लिए स्थान दे और मकान निर्माण में भी मदद करे, इसके बाद वे कब्जा हटाने को तैयार हैं। अधिकारियों ने कोर्ट के निर्देश का हवाला दिया लेकिन वे सुनने को तैयार नहीं थे। कुछ ने पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया।

यात्रियों को हुई परेशानी

अतिक्रमणकारियों के समर्थन में ग्रामीणों ने रीवा-सीधी नेशनल हाइवे पर जाम लगा दिया। सड़क के दोनों ओर बांस की बल्लियां लगाकर महिलाएं, बच्चे और पुरुष बैठ गए, जिससे दो घंटे तक आवागमन बाधित रहा। दोनों दिशाओं में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में एंबुलेंस और यात्री बसें भी फंसी रहीं। सीधी की ओर से स्टेशन जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

फिलहाल रोकी गई कार्रवाई - एसडीएम

गुढ़ एसडीएम सुधाकर सिंह ने बताया कि सरकारी भूमि से बेदखली का आदेश है, जिसमें 14 लोगों का अतिक्रमण हटाना है। कार्रवाई के लिए टीम पहुंची थी तो वहां लोगों ने व्यवधान उत्पन्न किया और जाम लगाया। कुछ महिलाएं टीम की ओर दौड़ी थीं। फिलहाल कार्रवाई रोक दी गई है। मामले की रिपोर्ट आने पर अगली कार्रवाई होगी।

कर वसूली के लिए बकायादारों की सूची चौराहे पर लगाई

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

बड़े बकायादारों से वसूली के लिए सिरोंज नपा ने बड़ा कदम उठाया। इन बकायादारों की सूची नपा ने छतरी नाका चौराहा, जमना चौराहा, बस स्टैंड और पुराना कोर्ट एरिया में टांग दी। इस सूची में 5 हजार से ज्यादा की राशि के बकायादारों के नाम शामिल हैं। नपा को जलकर, सम्पत्तिकर और समेकित कर के 3 करोड़ 40 लाख 92 हजार की वसूली करना है। इस वसूली के लिए नपा द्वारा विगत एक सप्ताह से लगातार एलाउसमेंट करवाया जा रहा हैं। नपा द्वारा बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक करने की चेतावनी भी दी जा रही थी। इसके बाद भी बड़े बकायादारों के कानों पर जू नहीं रेंगी। जिसके चलते सोमवार को नपा ने इन बकायादारों को लेकर बड़ा कदम उठा ही लिया। दोपहर में ही सभी बड़े बकायादारों के नामों की सूची प्रमुख चौराहों पर टांग दी गई। इसमें 5 हजार से 29335 रूपए तक के बकायादारों के नाम शामिल हैं। सूची में कुल 179 लोगों के नाम शामिल हैं और शाम होते-होते 5 बकायादारों ने अपनी बकायाराषि भी जमा कर दी। सीएमओ रामप्रकाष साहू ने बताया कि एक सप्ताह तक लगातार चेतावनी के बाद हमने सूची सार्वजनिक की है। सभी बकायादारों से आव्हान है कि वे समय पर अपना टेक्स जमा करें।

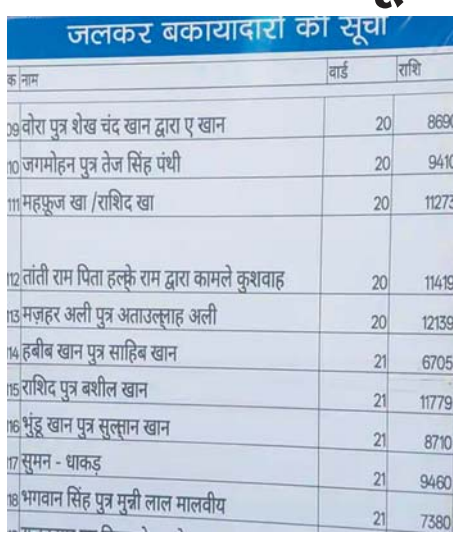

जलकर बकायादारों की सूची

क	नाम	वार्ड	राशि
109	वोरा पुत्र शेख चंद खान द्वारा ए खान	20	869
110	जगमोहन पुत्र तेज सिंह पंथी	20	941
111	महफूज खा /राशिद खा	20	1127
112	तांती राम पिता हल्के राम द्वारा कामले कुशवाह	20	1141
113	मज़हर अली पुत्र अताउल्लाह अली	20	1213
114	हबीब खान पुत्र साहिब खान	21	6705
115	राशिद पुत्र बशील खान	21	11779
116	भुंडू खान पुत्र सुल्तान खान	21	8710
117	सुमन - धाकड़	21	9460
118	भगवान सिंह पुत्र मुन्नी लाल मालवीय	21	7380

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

स्कूल में जर्जर दीवार गिरने से बेटे की मौत पर बोली मां- मेरी किसी ने मदद नहीं की

कटनी। दोपहर मेट्रो

विजयराघवगढ़ अंतर्गत माध्यमिक शाला बम्हनगवां में स्कूल की जर्जर दीवार गिरने से 5वीं कक्षा के छात्र राजकुमार बर्मन की मौत के बाद छात्र संगठनों और आमजन में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। सोमवार को एनएसयूआई विजयराघवगढ़ के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर प्रशासन से जिम्मेदारी तय करने और स्कूल भवनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। हालांकि एनएसयूआई कार्यकर्ताओं व मासूम बच्चे की मां शिवकुमारी बर्मन का विजयराघवगढ़ का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। इसमें शिवकुमारी एक व्यक्ति से फोन पर बात करते हुए कह रही हैं कि कैमोर में गोलीकांड हुआ तो सारे नेता और अधिकारी उनके घर गए लेकिन मेरे घर कोई नहीं आया। मेरी किसी ने मदद नहीं की। इस दौरान भीड़ में मौजूद लोग यह कह रहे है कि विधायक ने रुपए दिए हैं। महिला के साथ एनएसयूआई के कार्यकर्ता व पदाधिकारी भी मौजूद नजर आ रहे हैं। एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने बताया कि हम पीड़ित मां को लेकर प्रदर्शन के लिए कलेक्ट्रेट आ रहे थे। आरोप है कि विजयराघवगढ़ में विधायक के लोगों ने हमें रोक लिया और हमारे कार्यकर्ताओं से धक्का-मुक्की की। पीड़िता को कहा गया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जाओगे तो मदद नहीं करेंगे।

मेट्रो एंकर

11 कुंडीय श्री राम महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

आध्यात्मिक चेतना और भक्ति का अद्भुत संगम है चरणतीर्थ

कोतमा/निगवानी रेउसा। दोपहर मेट्रो

कोतमा नगर के समीप स्थित चरणतीर्थ पावनधाम, निगवानी रेउसा इन दिनों आध्यात्मिक ऊर्जा, श्रद्धा और भक्ति का केंद्र बना हुआ है। यहां 18 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित 11 कुंडीय श्री राम महायज्ञ, श्रीमद्भागवत कथा एवं खजुरीताल की सुप्रसिद्ध आदर्श रामलीला मंडली के मंचन ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया है। इस दिव्य आयोजन में देश के विभिन्न प्रमुख तीर्थस्थलों अयोध्या धाम, वृंदावन धाम, हरिद्वार, अमरकंटक और नैमिषारण्य से पधारे साधु-संतों की उपस्थिति आयोजन की गरिमा को और बढ़ा रही है। आयोजन श्री मानसपीठ खजुरीताल मैहर के मानस पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी श्री रामललाचार्य जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हो रहा है।

पावनधाम चरण तीर्थ पावनधाम वह दिव्य स्थल माना जाता है जहां भगवान श्रीराम के हजारों चरण चिन्ह आज भी विद्यमान हैं। मान्यता है कि यहाँ पंच पांडव और माता द्रौपदी के भी चरण चिन्ह दृष्टिगोचर होते हैं। साथ ही श्री हनुमान जी महाराज, श्री गजानन महाराज, दानगिरी महाराज, शेषनाग एवं श्री गरुण जी महाराज के प्रादुर्भाव से जुड़ी आस्थाएँ इस स्थल को विशेष आध्यात्मिक महत्व प्रदान करती हैं। आयोजन के तहत प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से 11 कुंडीय श्री राम महायज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियाँ दी जा रही हैं, जिससे वातावरण पूर्णतः पवित्र और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो रहा है। वहीं 21 फरवरी से प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से श्रीमद्भागवत कथा का रसपान श्रद्धालु कर रहे हैं। रात्रि 7 बजे से खजुरीताल की सुप्रसिद्ध आदर्श रामलीला मंडली द्वारा भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का सजीव मंचन किया जा रहा है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। क्षेत्र में पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखी जा रही है। आयोजन समिति ने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

गायिका शहनाज अख्तर देंगी भजनों की प्रस्तुति

आयोजन समिति के अनुसार, कार्यक्रम के विश्राम दिवस पर राष्ट्रीय स्तर की ख्यातिप्राप्त भजन गायिका शहनाज अख्तर अपने मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगी, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगा।

भंडारा और 10 दिवसीय मेले का आयोजन

श्रद्धालुओं के लिए 18 फरवरी से 28 फरवरी तक प्रतिदिन विशाल भंडारा महाप्रसाद का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही 10 दिवसीय भव्य मेले का भी आयोजन किया गया है, जिससे क्षेत्र में उत्सव जैसा वातावरण बना हुआ है। कोतमा नगर के पत्रकार साथी भी चरण तीर्थ पावनधाम पहुंचकर गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। पत्रकारों ने इस आयोजन को समाज की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक परंपरा का जीवंत उदाहरण बताया।

चक्काजाम करने वालों पर एफआईआर

सिवनी। दोपहर मेट्रो

छपारा थाना क्षेत्र के बिजना में गुरुवार को पानी की समस्या को लेकर नेशनल हाइवे-44 पर चक्काजाम करने वाले लोगों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। दोपहर डेढ़ बजे से ढाई बजे तक चक्काजाम करने की वजह से सड़क पर यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। इसमें आरोपी सतेन्द्र मरकाम, प्रहलाद मरकाम, सुन्दरवती मरकाम, मंशराम उइके, उमेश उइके, सुनीता उइके, रामचरण उइके, मनिराम उइके, सुमत उइके, दुर्गा प्रसाद ककोडिया, ब्रजेश तेकाम, अनारकली धुर्वे, मुलिया इरपाचे, वर्षा मरकाम, इमलवती उइके सहित अन्य शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि एनएच 44 रोड में ग्राम मुतिया (बिजना) मोड़ के पास बिजना एवं अमानटोला के लोगो ने बिना किसी अनुमति के अवैध रूप से चक्का जाम कर रोड बाधित की, जिससे अत्याधिक जाम लगने के कारण आने जाने वाले लोगों को परेशानी हुई है। बरघाट थाना क्षेत्र के ग्राम बुढ़ैनाखुर्द गांव में 15 जनवरी को आरोपी ने अपने बड़े भाई की पत्थर मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से आरोपी फरार था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि बुढैनाखुर्द निवासी जितेन्द्र बरकड़े (29) आए दिन शराब पीता था।

सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को जीतने होंगे दोनों मुकाबले

जिम्बाब्वे के खिलाफ अक्षर-कुलदीप को मिलेगा मौका इंडिया टीम की प्लेइंग इलेवन में होगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 स्टेज के अपने पहले मैच में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा है। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 76 रनों से शिकस्त दी। अब भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में अपने बचे दोनों मैच जीतने होंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद अब भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में कु छ बदलाव हो सकते हैं।

भारत को अगला मैच जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना है। यह मैच गुरुवार 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। भले ही जिम्बाब्वे एक छोटी टीम है, लेकिन वो टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका जैसी बड़ी टीमों को हराकर सुपर-8 में पहुंची है। ऐसे में भारतीय टीम जिम्बाब्वे को बिल्कुल भी हल्के में नहीं लेना चाहेगी।

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम की पिच स्पिनर्स के लिए मुफीद मानी जाती है। यहां स्पिनर्स हावी रहते हैं। ऐसे में टीम इंडिया 3 स्पिनर्स के साथ उतर सकती है। इसके अलावा अक्षर पटेल की भी टीम में वापसी तय है। उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को खिलाया जा रहा था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद अब अक्षर की वापसी तय मानी जा रही है।

अभिषेक शर्मा को नहीं किया जाएगा बाहर

अभिषेक शर्मा के लिए 2026 टी20 वर्ल्ड कप किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा है। वह अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। अब अभिषेक की जगह संजू सैमसन को खिलाने की मांग भी होने लगी है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट अभिषेक पर भरोया कायम रख सकता है। ऐसे में सैमसन को और इंतजार करना पड़ेगा। फिलहाल दो बदलाव की संभावना है। अक्षर पटेल और कु लदीप यादव की वापसी तय मानी जा रही है। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन- अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, सूर्यकु मार यादव (कप्तान), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, कु लदीप यादव/वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह।

चेन्नई पहुंची टीम इंडिया, हार्दिक के साथ माहिका भी आईं नजर

चेन्नई सुपर-8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीम की नजरें अब दोनों मुकाबले जीतने पर हैं। सोमवार को टीम इंडिया जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के लिए चेन्नई पहुंच गई। इस दौरान एयरपोर्ट पर हार्दिक पांड्या के साथ उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा भी नजर आईं। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा के साथ चेन्नई पहुंचे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब हार्दिक अपनी गर्लफ्रेंड के साथ सफर कर रहे हैं। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण मुकाबले के लिए जब टीम इंडिया ने कोलंबो का दौरा किया था, तब भी माहिका को उनके साथ स्पॉट किया गया था।

अक्षर को बाहर रखने पर मचा हंगामा अश्विन ने मैनेजमेंट को सुनाई खरी-खरी

अहमदाबाद। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रनों से हार झेलनी पड़ी, जो टूर्नामेंट में उनकी पहली शिकस्त थी। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए इस मैच में उप-कप्तान अक्षर पटेल को मौका नहीं मिला, जिसे लेकर हंगामा मचा हुआ है। अक्षर के ऊपर ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को तवज्जो दी गई। अब टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस सुपर-8 मुकाबले में अक्षर पटेल को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने पर सवाल उठाए हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर अश्विन ने कहा कि अक्षर भारत के लिए टी20 क्रिकेट में %मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर रहे हैं और कई बार मुश्किल हालात से टीम को बाहर निकाल चुके हैं। उन्होंने माना कि लेफ्ट-हैंड बल्लेबाजों के खिलाफ वॉशिंगटन सुंदर को खिलाना रणनीतिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन अक्षर के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रविचंद्रन अश्विन ने कहा, मैं शत प्रतिशत सहमत हूं कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ वॉशिंगटन सुंदर को इस्तेमाल करना चाहिए। लेकिन अक्षर पटेल टी20 क्रिकेट में आपके एमवीपी रहे हैं। पिछली बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ जब भारतीय टीम मुश्किल में थी, तब अक्षर पटेल ने विराट कोहली के साथ साझेदारी कर टीम को 170 के पार पहुंचाया था। कोहली का अनुभव था, लेकिन अक्षर किसी से कम नहीं हैं।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

सितारों से भरी कर्नाटक को चुनौती देगा जम्मू कश्मीर

हुबली , एजेंसी

पहली बार रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंची जम्मू कश्मीर की कहानी लगन और जुझारूपन की मिसाल है लेकिन खिताब जीतने के लिये इस छिपी रूस्तम टीम को अगले पांच दिन में आठ बार की चैम्पियन कर्नाटक के खिलाफ चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा। कर्नाटक को उसके अतीत के प्रदर्शन के कारण ही प्रबल दावेदार नहीं माना जा रहा बल्कि इस सत्र में उसने समय समय पर प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझने के बावजूद अलग-अलग हालात में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ पहले मुकाबले में खराब शुरूआत के बाद से कर्नाटक ने अपने मैदान पर और बाहर दमदार प्रदर्शन किया है। उसके स्टार बल्लेबाजों केएल राहुल, करूण नायर, देवदत्त पडिक्कल और रविचंद्रन स्मरण ने इस कामयाबी की कहानी लिखी है।

राहुल ने तीन मैचों में 457 रन, करूण ने आठ मैचों में 699 रन , पडिक्कल ने पांच मैचों में 532 रन और स्मरण ने आठ मैचों में 950 रन बनाये हैं। इससे कर्नाटक को कप्तानी में बदलाव से सामंजस्य बिठाने में भी मदद मिली। मयंक अग्रवाल की जगह पडिक्कल ने टीम की कमान संभाली और बल्लेबाजी तथा कप्तानी दोनों में खरे उतरे। इस मजबूत बल्लेबाजी क्रम का सामना हालांकि तेज गेंदबाज आकिब नबी की अगुवाई में जम्मू कश्मीर के बेहतरीन गेंदबाजों से होगा।

कर्नाटक की गेंदबाजी भी दमदार

कर्नाटक के पास भी शानदार गेंदबाजी आक्रमण है जिसकी अगुवाई भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा करेंगे। उनका साथ देने के लिये विद्वत कावेरप्पा, विद्याधर पाटिल, विशाख विजयकुमार, शिखर शेट्टी और मोहसिन खान हैं। लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल 46 विकेट लेने के अलावा 442 रन बना चुके हैं। कर्नाटक के पूर्व कप्तान आर विनय कुमार ने कहा कि श्रेयस ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है और काफी उपयोगी साबित हुआ है। इससे कर्नाटक दमदार टीम बनकर उभरी है। अपने खिलाड़ियों के हुनर के अलावा कर्नाटक बड़े मैचों के उनके अनुभव के आधार पर भी प्रबल दावेदार लग रहा है।

टी-20 वर्ल्ड कप में आज आमने-होने होंगे इंग्लैंड-पाकिस्तान

अंग्रजों -पाक के मुकाबले में फोकस स्पिनरों पर

पाल्लेकल , एजेंसी

धीमे गेंदबाजों की मददगार पिच पर इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमें टी-20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में मंगलवार को जब आमने-सामने होंगी तो फोकस स्पिन गेंदबाजों पर रहेगा। इंग्लैंड की टीम अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी है लेकिन दो बार की चैम्पियन टीम जीत की राह पर लौटी है। सुपर आठ चरण के पहले मैच में श्रीलंका को 51 रन से हराया जिससे उसका नेट रनरेट भी बेहतर हुआ है और वह तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है।

श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर का बचाव करते हुए इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने हालात के अनुरूप खेला। उसके स्पिनरों ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी उपयोगी

रहे। लेग स्पिनर आदिल रशीद और बायें हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी विकेट मिले। विल जैक्स ने अच्छी आफ स्पिन गेंदबाजी के अलावा जरूरत पड़ने पर उपयोगी पारियां भी खेली है और कई बार इंग्लैंड को संकट से निकाला।

पाक के लिए करो या मरो का मुकाबला- दूसरी ओर पाकिस्तान का न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला सुपर आठ मैच बारिश में धुल गया जिससे अब उसे दोनों मैच जीतने होंगे। उसके पास उस्मान तारिक, सईम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे अच्छे स्पिनर हैं। बल्लेबाजी हालांकि चिंता का सबब है, खासकर अच्छे स्पिनरों के खिलाफ वे टिक नहीं पा रहे।

फॉर्म में लौटे फिल साल्ट

सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट श्रीलंका के खिलाफ उम्दा पारी खेलकर फॉर्म में लौटे हैं। टूर्नामेंट में पहली बार उन्होंने पावरप्ले के बाद तक बल्लेबाजी की। जोस बटलर का फॉर्म चिंता का सबब बना हुआ है लेकिन उन्हें कप्तान हैरी ब्रूक का समर्थन हासिल है। इंग्लैंड ने इस महीने की शुरूआत में इस मैदान पर तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला 3-0 से जीती थी। ब्रूक ने श्रीलंका को हराने के बाद कहा कि अभी तक हम बल्लेबाजी में परफेक्ट खेल नहीं दिखा सके हैं, हमें अच्छी शुरूआत और बड़े स्कोर नहीं मिले। मुझे लगता है कि बहुत जल्दी वह होगा। जोस बटलर, जैकब बेथेल और मैं खुद बड़े स्कोर नहीं बना सके हैं लेकिन इसके बावजूद हम जीतने में कामयाब रहे।

शिमरन ने रचा इतिहास, टी20 विश्वकप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज

वानखेड़े , एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 में सोमवार को वेस्टइंडीज का सामना जिम्बाब्वे से हुआ। वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में शिमरन हेटमायर ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज की तरफ से सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।

इस मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी का न्योता दिया। ब्रैंडन किंग के सस्ते में आउट होने के बाद मैदान पर उतरे हेटमायर ने शुरुआत से ही दमदार शॉट्स लगाए। उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज की तरफ से सबसे तेज फिफ्टी लगाने

का रिकॉर्ड भी अब हेटमायर के नाम दर्ज हो गया है। हेटमायर ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ डाला है। इसी विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलते हुए हेटमायर ने 22 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। हेटमायर की तूफानी बल्लेबाजी के आगे जिम्बाब्वे का गेंदबाजी अटैक बेबस नजर आया। इस मुकाबले में वह 34 गेंदों में सात चौके और सात छक्के की मदद से 85 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

दोनों टीमों ने किए एक-एक बदलाव

वेस्टइंडीज ने इस मैच के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया। रोस्टन चेज को बाहर करते हुए उनकी जगह पर रोमारियो शेफर्ड को टीम में शामिल किया गया। शेफर्ड बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देने के लिए जाने जाते हैं। वहीं, जिम्बाब्वे की टीम भी एक बदलाव के साथ उतरी है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

उदयपुर में रश्मिका-विजय की शाही शादी, 26 फरवरी को आईटीसी मोमेंटोज में लेंगे सात फेरे

फिल्म एक्टर विजय देवराकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना 26 फरवरी को उदयपुर में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। शादी से तीन दिन पहले दोनों उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे सीधे होटल के लिए रवाना हो गए। आयोजन को निजी रखा गया है और इसमें सीमित मेहमानों को ही आमंत्रित किया गया है।

आईटीसी मोमेंटोज में तीन दिन का कार्यक्रम- शादी का आयोजन उदयपुर-नाथद्वारा हाईवे स्थित कैलाशपुरी के आईटीसी मोमेंटोज उदयपुर में किया जाएगा। होटल में 24, 25 और 26 फरवरी के लिए बुकिंग की गई है। जानकारी के अनुसार, कुल 230 मेहमान समारोह में शामिल होंगे और उनके लिए होटल के सभी 117 कमरे आरक्षित किए गए हैं। सभी मेहमान 24 फरवरी को होटल में चेक-इन करेंगे।

'नो फोन पॉलिसी' और विशेष सुरक्षा इंतजाम- समारोह को पूरी तरह प्राइवेट सेरेमनी के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें केवल परिवार और करीबी मित्र शामिल होंगे। आयोजन के दौरान 'नो फोन पॉलिसी' लागू रहेगी, ताकि अंदर की तस्वीरें सार्वजनिक न हों। इसके लिए एक विशेष सिक्योरिटी एजेंसी को भी नियुक्त किया गया है।

वेडिंग कार्ड और तैयारियों की चर्चा

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वेडिंग कार्ड वायरल हुआ, जिसमें उल्लेख था कि परिवार के आशीर्वाद से रश्मिका और विजय 26.02.26 को छोटे और निजी समारोह में विवाह करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ऑनलाइन बधाई मिलने पर रश्मिका ने धन्यवाद भी दिया, जिससे शादी की खबरों को बल मिला। बताया जा रहा है कि समारोह के लिए दिल्ली का एक पॉपुलर बैंड आमंत्रित किया गया है, जो कई सेलिब्रिटी शादियों में प्रस्तुति दे चुका है। वहीं वेडिंग प्लानर हैदराबाद से बुलाया गया है, जो एक मशहूर टेनिस खिलाड़ी की शादी की योजना भी बना चुके हैं।

मेट्रो बाजार

प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स और ब्रोकर लोन नियमों में बदलाव की कोई योजना नहीं: आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साफ कर दिया है कि हाल ही में जारी किए गए उन नियमों में बदलाव की कोई योजना नहीं है जो बैंकों द्वारा प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स और ब्रोकरों को दिए जाने वाले कर्ज से जुड़े हैं। यह जानकारी सोमवार को आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दी। इस महीने की शुरुआत में जारी नए नियमों के तहत आरबीआई ने ब्रोकरों को दी जाने वाली बैंक गारंटी के लिए कोलेटरल (गिरवी) की शर्तें कड़ी कर दी हैं। साथ ही, बैंकों को प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग के लिए ब्रोकरों को कर्ज देने से रोक दिया गया है। ये नए नियम 1 अप्रैल से लागू होंगे।

इन नियमों के बाद पिछले सप्ताह ब्रोकरेज कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई। बाजार में यह चिंता जताई जा रही है कि नए नियमों से ब्रोकरों के मुनाफे पर असर पड़ेगा और ट्रेडिंग वॉल्यूम भी घट सकता है। ब्रोकरों ने इन नियमों की समीक्षा की मांग करते हुए बाजार नियामक को एक पत्र भी भेजा है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बोर्ड बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ये नियम व्यापक परामर्श के बाद अंतिम रूप दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा, ÷इन नियमों में किसी बदलाव पर विचार नहीं किया जा रहा है।÷ गवर्नर ने यह भी बताया कि आरबीआई ने भारत के महंगाई लक्ष्य ढांचे को लेकर अपनी सिफारिशें सरकार को भेज दी हैं। यह समीक्षा मार्च के अंत तक होनी है। हालांकि उन्होंने सिफारिशों का विवरण साझा नहीं किया। भारत में आरबीआई को खुदरा महंगाई दर 4 प्रतिशत पर बनाए रखने का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत तक का दायरा तय है।

सलीम ने हर फिल्म देखने वाले मुसलमान पर फतवा जारी करने पर रखी थी बात

ईद रिलीज पर करारा जवाब

रमजान का महीना जारी है और इसके बाद आने वाली ईद का इंतजार फिल्म इंडस्ट्री भी बेसब्री से करता है। लंबे समय से यह रहा है कि ईद के मौके पर रिलीज होने वाली फिल्मों को शानदार शुरुआत मिलती है। खास तौर पर सलमान खान की फिल्मों ने ईद पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और बॉक्स ऑफिस पर नए रेकॉर्ड किए हैं। ईद पर फिल्मों की रिलीज पर याद आ रहे हैं दिग्गज स्क्रिप्ट राइटर और सलमान खान के पिता सलीम खान, जो इन दिनों मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हैं। 'शोले', 'दीवार', 'जंजीर',

'डॉन' और 'हाथी मेरे साथी' जैसी सुपरहिट फिल्मों की स्क्रिप्ट लिखने वाले सलीम खान को कुछ दिन पहले माइनर ब्रेन हेमरेज के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी तबीयत की खबर मिलते ही हिंदी सिनेमा जगत के कई सितारे उनसे मुलाकात के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं।

सच्चा मुसलमान' होने को लेकर बहस- सलीम खान अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते रहे हैं। जब भी फिल्मों को लेकर फतवा जारी करने या 'सच्चा मुसलमान' होने को लेकर बहस होने लगी तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में अपनी बात रखी। ऐसे ही सलीम खान ने फिल्मों पर फतवा जारी करने वाले कुछ संगठनों को करारा जवाब दिया था। उन्होंने यह भी साफ किया कि ईद के मौके पर फिल्में क्यों रिलीज की जाती हैं। सलीम खान ने एक बार ये साफ किया था कि ईद पर फिल्मों की रिलीज का उद्देश्य किसी धार्मिक भावना से टकराव नहीं, बल्कि त्योहार के उत्सव और पारिवारिक माहौल का हिस्सा बनना है। उनके अनुसार, ईद ऐसा अवसर है जब परिवार साथ में समय बिताता है और सिनेमा मनोरंजन का एक माध्यम बन जाता है।

लिस्टिंग और सेटलमेंट से जुड़े नियमों में बदलाव करेगा सेबी, जून तक जारी होगा ड्राफ्ट पेपर

नई दिल्ली। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा कि नियामक पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज, लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स नियमों और सेटलमेंट से जुड़े प्रावधानों की व्यापक समीक्षा करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में एक कंसल्टेशन पेपर जून तक जारी किया जा सकता है। पोर्टफोलियो मैनेजर्स कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पांडेय ने कहा कि पीएमएस फ्रेमवर्क में निवेशक हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस सेगमेंट में पारदर्शिता पहले की तुलना में बेहतर हुई है, लेकिन बाजार में तेजी से हो रहे बदलाव और नए निवेश उत्पादों के उभरने के कारण मौजूदा नियमों की समीक्षा जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि सेबी केवल पीएमएस ही नहीं, बल्कि एलओडीआर और सेटलमेंट से जुड़े नियामकीय ढांचे की भी समीक्षा करेगा, ताकि बदलते बाजार परिदृश्य के अनुरूप नियमों को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। एआई के उपयोग पर पांडे ने कहा कि सेबी बाजार में गड़बड़ियों और अनियमितताओं का वास्तविक समय में पता लगाने के लिए एआई के इस्तेमाल की संभावनाओं पर काम कर रहा है, जिससे समय रहते नियामकीय हस्तक्षेप और समाधान संभव हो सके। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक मिलकर बाजार की गहराई बढ़ाने के उद्देश्य से कॉरपोरेट बॉन्ड इंडेक्स और उससे जुड़े उत्पाद विकसित करने पर काम कर रहे हैं, जिन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड किया जा सकेगा।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से लगी 'इमरजेंसी'

■ 10 हजार से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल, स्कूल किए बंद...

वाशिंगटन। अमेरिका इन दिनों भारी बर्फबारी का सामना कर रहा है। उत्तरी अमेरिका में मैरीलैंड से लेकर मेन तक जबरदस्त बर्फबारी देखी गई। इसकी वजह से ट्रांसपोर्टेशन, स्कूल और बिजनेस बंद हो गए और लाखों लोगों को घर पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। साथ ही, मौसम विभाग ने तेज हवा और भारी बर्फबारी की चेतावनी भी जारी की।मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि पिछले दस सालों में ये सबसे तेज तूफान है, जिसकी वजह से मेट्रोपॉलिटन नॉर्थईस्ट के कुछ हिस्सों में 2 फीट से ज्यादा बर्फ गिरी। कई जगहों पर बर्फ जमा होने के रिकॉर्ड तक टूट गए, ट्रांसपोर्ट ठप पड़ गया और यहां तक कि यूनाइटेड नेशंस को सिक्योरिटी काउंसिल की मीटिंग भी टालनी पड़ी। अधिकारियों ने कई शहरों में इमरजेंसी घोषित कर दी और स्कूल बंद कर दिए। इसमें न्यूयॉर्क शहर भी शामिल है। यहां छह साल में पहली बार भारी स्नो फाल देखा गया और लोगों को बिजली जाने की समस्या से जूझना पड़ा।

हजारों यात्री फंसे

इस भीषण मौसम के कारण शनिवार से मंगलवार के बीच 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अकेले सोमवार को 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और मंगलवार के लिए 1,300 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द कर दी गई हैं, जिससे हजारों यात्री फंस गए हैं। न्यूयॉर्क के जेएफके, लागुआर्डिया और बोस्टन के लोगान एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

न्यूज विंडो

वैष्णो देवी से नहीं, जम्मू से चलेगी कश्मीर के लिए वंदे भारत, आज ट्रायल

जम्मू। जम्मू से श्रीनगर के बीच सीधे वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की दिशा में भारतीय रेलवे एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा है। आज जम्मू और श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच 20 कोच वाली वंदे भारत ट्रेन का ट्रायल रन किया जाएगा। इस ट्रायल का उद्देश्य ट्रेन को पूर्ण रूप से सेवा में शामिल करने से पहले तकनीकी और परिचालन संबंधी कमियों की पहचान कर उन्हें दूर करना है। वर्तमान में कटड़ा से दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस पहले से संचालित हो रही है, लेकिन जम्मू-श्रीनगर के बीच प्रस्तावित वंदे भारत विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर के कठिन मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। कटड़ा से श्रीनगर के बीच विशेष वंदे भारत पहले ही ट्रायल और सीमित परिचालन के दौर से गुजर चुकी है, लेकिन अब रेलवे इसे जम्मू तक विस्तारित करने की तैयारी कर रहा है, जिससे जम्मू शहर सीधे घाटी से आधुनिक सेमी हाई-स्पीड रेल सेवा से जुड़ सकेगा।

खेतों में कॉपियां लिख रहे थे सॉल्वर सामूहिक नकल का भंडाफोड़

मैनपुरी। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट की दूसरी पाली की परीक्षा में इनपुट के आधार पर एसटीएफ आगरा और भोगांव एसडीएम की संयुक्त कार्रवाई में बेवर थाना क्षेत्र के स्व. महाराज सिंह स्मारक इंटर कालेज जोत में सामूहिक नकल पकड़ी गई है। केंद्र के पीछे खाली खेत में बैठकर सॉल्वर उत्तरपुस्तिकाओं पर सवाल हल कर रहे थे। एसटीएफ ने मौके से छह साल्वर को हिरासत में लिया है। मौके पर गणित की दो अधलिखीं उत्तर पुस्तिका व जीव विज्ञान विषय का पेपर भी मिला है। एक युवती सहित छह लोग फरार हो गए हैं। डीआइओएस और एसटीएफ द्वारा बेवर थाने में तहरीर दी जा रही है। दोपहर में पाली में इंटरमीडिएट के गणित और जीव विज्ञान विषय का पेपर था। मुख्य विषय के पेपर को देखते हुए सभी 93 केंद्र पर निगरानी बढ़ाई गई थी। परीक्षा आरंभ होने से पहले ही एसटीएफ को नकल से संबंधित इनपुट मिल चुका था। गोपनीय ढंग से मैनपुरी पहुंचे एसटीएफ के इंस्पेक्टर योगेंद्र सिंह ने भोगांव एसडीएम संध्या शर्मा से जानकारी साझा की और सामूहिक रूप से छापे की योजना बनाई।

आरएसएस सह बौद्धिक प्रमुख हितानंद शर्मा की मां का निधन

अशोकनगर। आरएसएस के क्षेत्र सह बौद्धिक प्रमुख हितानंद शर्मा की मां जनकदुलारी शर्मा का मंगलवार सुबह भोपाल के एक अस्पताल में निधन हो गया। वे 90 वर्ष की थीं और लंबे समय से बीमार चल रही थीं। उनके शरीर को दोपहर तक अशोकनगर के मढ़ी महिदपुर गांव लाया जाएगा, जहां दोपहर करीब 3 बजे अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। गांव में इसकी तैयारियां की जा रही हैं। हितानंद शर्मा पूर्व में कुछ समय पहले ही भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री रह चुके हैं। उनकी मां जनकदुलारी शर्मा पिछले दो महीने से अस्वस्थ थीं। कुछ समय तक उनका इलाज गांव में ही चला था, जिस दौरान हितानंद शर्मा भी काफी समय तक गांव में रुके थे। इस अवधि में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कई मंत्री, विधायक और जिला अध्यक्ष उनकी मां से मिलने मढ़ी गांव पहुंचे थे। हितानंद शर्मा के माता-पितामढ़ी गांव में ही रहते थे। कुछ महीने पहले केंद्रीय मंत्री और क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गांव का दौरा किया था।

रोंगटे खड़े कर देने वाला 'नीला ड्रम कांड', 21 साल के बेटे ने की पिता की नृशंस हत्या

कलयुगी बेटे ने पिता को गोली मारी, शव के टुकड़े कर ड्रम में डाले

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 21 साल के बेटे ने 49 साल के पिता की जिस तरह से नृशंस हत्या की है, उससे लोगों के रोंगटे खड़े गए हैं। आशियाना के सेक्टर एल में रहने वाले मानवेंद्र सिंह पैथोलॉजी चलाते थे। वह बेटे अक्षत को डॉक्टर बनाना चाहते थे ताकि उनके बाद वह इस कारोबार को संभाले। वह उसके ऊपर नीट परीक्षा की तैयारी का दबाव बनाते थे। इसके लिए उन्होंने अक्षत के बैंक खाते में पांच लाख रुपये भी ट्रांसफर किए थे। दूसरी ओर, अक्षत बिजनेस करना चाहता था। इस बात को लेकर पिता और बेटे में नोंकझोक होती रहती थी।

अक्षत प्रताप सिंह ने 2022 में हजरतगंज के एक बड़े स्कूल से इंटर की परीक्षा पास की थी। मानवेंद्र के पड़ोसी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि वह बेटे को डॉक्टर बनाने के लिए लगातार कह रहे थे। लेकिन अक्षत बड़ा बिजनेस करना चाहता था। कुछ दिनों पहले अक्षत पिता को घर में बंद कर भाग गया था। वह फोन भी नहीं उठा रहा था। उसने सिर्फ एक दोस्त को बोला था कि पिता से बता देना कि अक्षत भाग गया है। 20 फरवरी की सुबह अक्षत और मानवेंद्र के बीच झगड़े की आवाज से बेटी कृति जाग गई थी। इसी बीच गोली चलने की आवाज आई। पिता की हत्या होते देख कृति सन्न रह गई। अक्षत ने कृति से कहा कि अगर वह इस बारे में किसी को बताएगी तो वह उसको भी जान से मार देगा।

बेटे अक्षत ने पिता-पुत्र के रिश्तों को किया तार-तार

पैथोलॉजी से बड़े आदमी नहीं बन सकते...

भागने से पहले अक्षत पिता को संबोधित छह पेज का पत्र मेज पर रख गया था। जब मानवेंद्र ने उस पत्र को पढ़ा तो होश उड़ गए। अक्षत ने पत्र में लिखा था कि सिर्फ पैथोलॉजी चलाकर बड़ा आदमी कभी नहीं बन सकते हो। मेरी बात आपने नहीं मानी है। इसलिए मैं घर से भाग कर जा रहा हूं। अब बड़ा आदमी बनने के बाद ही घर लौटूंगा।

दादा बोले- मेरे बुढ़ापे की लाठी टूट गई: इसके बाद मानवेंद्र ने अक्षत के दोस्त को पकड़कर सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि अक्षय अभी कानपुर में है। मानवेंद्र के काफी मनाने के बाद अक्षय घर लौट आया था। बेटे मानवेंद्र सिंह के हत्या के बाद पिता सुरेंद्र पाल सिंह राजावत के आंसू नहीं थम रहे हैं। उन्होंने कहा- मेरी बुढ़ापे की लाठी टूट गई।

बेटी कृति की आंखों के सामने हुई पिता की हत्या

डीसीपी सेंट्रल विक्रांत वीर ने बताया कि 20 फरवरी की सुबह अक्षत और मानवेंद्र के बीच झगड़े की आवाज से बेटी कृति जाग गई थी। वह दौड़कर कमरे में पहुंची। इसी बीच गोली चलने की आवाज आई। पिता की हत्या होते देख कृति सन्न रह गई। अक्षत ने कृति से कहा कि अगर वह इस बारे में किसी को बताएगी तो वह उसको भी जान से मार देगा। अक्षत उसे घर से बाहर भी नहीं निकलने दे रहा था ताकि किसी को कोई शक ना हो। आरोपी अक्षत टीएस मिश्रा कॉलेज में बीकॉम का छात्र है। उसने पिता की हत्या के बाद शव को नीचे के कमरे में लाकर काटा। हाथ-पैर और शव के कुछ टुकड़े कार में रखकर सदरैना इलाके में ठिकाने लगा दिए। शव के कुछ टुकड़े उसने कमरे में नीले ड्रम में डाल दिए थे। उन्हें भी वह ठिकाने लगाने की फिराक में था। मोहल्ले वालों के पूछने पर वह कहता था कि पिता दिल्ली गए हैं।

एसआईआर पर कलकत्ता हाईकोर्ट का जवाब- 250 जिला जजों को दावे निपटाने में 80 दिन लग सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के उस पत्र का संज्ञान लिया, जिसमें कहा गया था कि 250 जिला न्यायाधीशों को दावों और आपत्तियों की सुनवाई में करीब 80 दिन लग सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को सिविल जजों की तैनाती की अनुमति दी है, ताकि करीब 80 लाख लोगों के दावे और आपत्तियां निपटाई जा सकें। साथ ही झारखंड और ओडिशा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से न्यायिक अधिकारियों की मदद लेने की भी इजाजत दी गई। कोर्ट ने चुनाव आयोग को इन अधिकारियों के खर्च वहन करने को कहा और 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने की अनुमति दी, साथ ही पूरक सूची जारी करने की छूट भी दी।

दफादार-चौकीदार संघ वालों की पिटाई, नीतीश को घेरा

कांग्रेस बोली- यह तानाशाही

पटना। बिहार में दफादार-चौकीदार संघ के सदस्यों की पटना में पिटाई के मामले में सियासत गरमा गई है। विपक्ष ने आज सुबह नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। बिहार कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा कि चौकीदार शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे। अपनी मांगों को उठा रहे थे। सरकार ने पुलिस भेजकर इन पर लाठियां चलवाई। कई चौकीदार गंभीर रूप से घायल हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता निखिल कुमार ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा की सरकारों को विरोध की आवाज बर्दाश्त नहीं है। उन्हें अच्छा ही नहीं लगता है कि लोकतंत्र में उनके खिलाफ कोई आवाज उठाए। इसलिए सोमवार को जेपी गोलंबर पर बिहार पुलिस के जवानों ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे दफादार और चौकीदार संघ के सदस्यों को बेरहमी से पीटा। यह लोग गुहार लगाते रहे लेकिन किसी ने एक न सुनी। पुलिसकर्मियों ने इन्हें दौड़ा दौड़ा कर पीटा। यह अन्याय है। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 21 साल से बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार चल रही है फिर भी 21 साल में बिहार देश का सबसे गरीब राज्य, देश का सबसे बेरोजगार राज्य, बिहार में सबसे ज्यादा पलायन है।

लोगों को कार से कुचला, एक की मौत, डीएमके नेता का बेटा गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु में द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम नेता के 20 साल के बेटे ने अपनी कार से चार लोगों को टक्कर मार दी, जिनमें से एक आदमी की मौत हो गई है। पुलिस ने हत्या के मामले में डीएमके नेता के बेटे आदित्य को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस ने मुख्य आरोपी आदित्य के अलावा, उसके दोस्त रितिक कुमार और हरीश को भी गिरफ्तार किया है। वे भी इस घटना के दौरान आदित्य के साथ कार के अंदर थे।पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित की पहचान कृष्णागिरी जिले के शिवमूर्ति के रूप में हुई है, जो कि असिस्टेंट लेबर इंस्पेक्टर थे। आदित्य की गाड़ी से टकराकर शिवमूर्ति की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि मर्डर का केस दर्ज कर तीनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

डच राजनीति में नए युग की शुरुआत

नीदरलैंड को मिला सबसे युवा पीएम, रॉब जेटन ने ली शपथ

एम्सटर्डम, एजेंसी

नीदरलैंड में नई गठबंधन सरकार ने आधिकारिक रूप से शपथ ग्रहण कर ली है। देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में Rob Jetten ने पदभार संभाला। यह नई सरकार कई दलों के गठबंधन से बनी है और राजनीतिक स्थिरता तथा सहमति की नई शुरुआत का संकेत देती है। पिछले कुछ वर्षों में डच संसद में गुटबाजी और राजनीतिक खींचतान देखने को मिली थी, जिससे निर्णय प्रक्रिया प्रभावित हुई थी।प्रधानमंत्री जेटन ने संकेत दिया है कि उनकी प्राथमिकता संसद में सहयोग और सहमति का माहौल बनाना होगा। वे देश के भीतर राजनीतिक संतुलन स्थापित करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नीदरलैंड की मजबूत भूमिका बहाल करना चाहते हैं।

नई सरकार का लक्ष्य यूरोपीय संघ में नीदरलैंड की प्रभावशाली भूमिका को फिर से स्थापित करना है। जेटन ने कहा है कि वे यूरोपीय सहयोग को मजबूत करने के लिए अपने समकक्ष नेताओं से जल्द बातचीत करेंगे।सरकार ने स्पष्ट किया है कि रूस के खिलाफ युद्ध लड़ रहे यूक्रेन को डच समर्थन जारी रहेगा। यह समर्थन राजनीतिक, आर्थिक और रक्षा सहयोग के रूप में बना रहेगा। नई कैबिनेट में विभिन्न गठबंधन दलों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। विदेश नीति, रक्षा और वित्त जैसे अहम मंत्रालयों में अनुभवी नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का संतुलित तरीके से सामना किया जा सके।

मेट्रो एंकर | दिल्ली हाई कोर्ट ने रेप के आरोपी की जमानत याचिका की खारिज

सेक्स के बाद कुंडली का बहाना कर शादी से मना करना अपराध

नई दिल्ली, एजेंसी

शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाना और बाद में कुंडली नहीं मिलने के नाम पर इनकार करना अपराध हो सकता है। हाल ही में एक मामले में सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने यह बात कही है। कोर्ट का कहना है कि ऐसा बर्ताव उस आदमी की तरफ से किए गए वादों की वास्तविकता पर शक पैदा करता है। अदालत ने रेप के आरोपी की तरफ से दाखिल जमानत की याचिका को खारिज कर दिया है।

याचिका पर जस्टिस स्वर्ण कांत शर्मा सुनवाई कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि पेश की गई सामग्री से पता चलता है कि आरोपी ने महिला को भरोसा दिया था कि कुंडली मिल गई है। साथ ही शादी में कोई बाधा नहीं आएगी। एक संदेश में आरोपी ने कथित तौर पर कहा था कि कल ही शादी कर रहे हैं हम।

बेंच ने कहा कि शुरुआत में शादी का भरोसा देने के

बाद, 'कुंडली न मिलने' का आधार बनाकर शादी से इनकार करना, पहली नजर में आवेदक द्वारा किए गए वादे की असलियत और उसकी मंशा पर सवाल उठाता है। इस स्तर पर ऐसा व्यवहार क्रूरता की धारा 69 के तहत अपराध की श्रेणी में आएगा, जो विशेष रूप से उन मामलों से संबंधित है जहाँ धोखे या शादी के झूठे आश्वासन के माध्यम से यौन संबंध बनाए जाते हैं।

यह है मामला

शिकायतकर्ता महिला के आरोप थे कि आरोपी उसके साथ लंबे समय तक रिलेशन में रहा। उन्होंने आरोप लगाए थे कि आरोपी ने शादी के वादे के आधार पर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। महिला ने यह भी दावा किया आरोपी और उसके परिवार की तरफ से शादी का वादा मिलने के बाद पहले शिकायत वापस ले ली गई थी। हालांकि, बाद में आरोपी ने कुंडली नहीं मिलने की बात कहकर शादी से इनकार कर दिया।

कोर्ट ने उठाए सवाल

जस्टिस शर्मा ने पाया कि व्यक्ति का यह स्टैंड उसके पिछले दावों से मेल नहीं खाता। अदालत ने यह भी कहा कि यदि कुंडली का मिलना इतना ही निर्णायक और महत्वपूर्ण था, तो शारीरिक संबंध बनाने से पहले ही इस मुद्दे को सुलझा लिया जाना चाहिए था। कोर्ट ने यह भी कहा कि कुंडली को आधार बनाकर पहले सुलझने का वादा किया गया और बाद में उसी को लेकर इनकार किया गया। कोर्ट ने कहा कि इससे पता चलता है कि हो सकता है कि सहमति झूठे वादे के आधार पर हासिल की गई हो।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564